देश की आवाज
हमारा स्वराज
भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.in | twitter.com/hamaraswaraj | facebook.com/hamaraswaraj | इंदौर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 | वर्ष: 10। अंक: 23। पृष्ठ: 08 । मूल्य: 2 रुपए

शार्ट न्यूज

अर्बन नक्सल्स के चंगुल में हैं राहुल गांधी: रविशंकर

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी शहरी नक्सलियों की सोच प्रक्रिया की पूरी तरह से पकड़ में हैं, और पूछा कि क्या उन्हें अब हिंडनबर्ग रिसर्च की बंद दुकान का 'अनुबंध' मिल गया है। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी गांधी की उनकी टिप्पणियों के लिए आलोचना की कि कांग्रेस 'अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रही है', और कहा कि भारतीय राज्य एक स्वतंत्र देश के रूप में भारत की संवैधानिक पहचान का प्रतिनिधित्व करता है।

14 दिनों बाद पीके ने तोड़ा अनशन, गंगा में लगाई डुबकी

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने 14 दिन बाद गुरुवार को अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। किशोर पिछले महीने बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में 2 जनवरी से 'आमरण अनशन' पर थे। किशोर 'सत्याग्रह' आंदोलन के अगले चरण की भी शुरुआत करेंगे। उपवास तोड़ने से पहले, पटना में गंगा पथ के पास पवित्र नदी गंगा में प्रतीकात्मक डुबकी लगाई, जो उनके विरोध में एक महत्वपूर्ण क्षण था। किशोर ने कहा कि ये कोई रैली या विरोध प्रदर्शन नहीं है। 14 दिनों से जन सुराज परिवार की ओर से मैंने प्रयास किया है कि छात्रों को न्याय मिले।

पोप फ्रांसिस दूसरी बार हुए चोटिल, हाथ में लगी चोट

पोप फ्रांसिस गिर गये और उनकी बांह में चोट आई है। वेटिकन ने एक बयान में यह जानकारी दी। इस घटना से पहले सात दिसंबर को भी पोप की ठुड्डी में चोट आई थी। वेटिकन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस की बांह में फ्रैक्चर नहीं हुआ है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें एक 'स्लिंग' पहनने की सलाह दी है।

8वें वेतन आयोग के गठन को मोदी सरकार की हरी झंडी
एक करोड़ कर्मचारी और पेंशनरों को मिलेगा लाभ

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

नए साल में केंद्र सरकार ने लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का एलान कर दिया। गठन के बाद आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनधारकों के पेंशन में इजाफा होगा। लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या एक करोड़ से अधिक होगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का फैसला लिया गया। 7वें वेतन आयोग का गठन 2016 में किया गया था और इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। वैष्णव ने आगे कहा कि आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सरकार के इस कदम का इंतजार एक करोड़ से अधिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को था।

आठवें वेतन आयोग के गठन से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आठवें वेतन आयोग पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा और खपत को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम सभी को सभी सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों पर गर्व है, जो विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करते हैं। 8वें वेतन आयोग पर कैबिनेट के फैसले से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

बड़ा सवाल: कब से होगा प्रभावी?

परंपरागत रूप से, केंद्रीय वेतन आयोग का गठन हर 10 साल में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतनमान, भत्ते और लाभों में बदलाव की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए किया जाता है। यह आयोग महंगाई और आर्थिक स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखकर फैसला लेता है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ओर से से गठित 28 फरवरी, 2014 को गठित 7वें वेतन आयोग ने 19 नवंबर, 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं। इस समयसीमा के आधार पर, 8वें वेतन आयोग के 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होने की उम्मीद की जा रही है। पहले की तरह इस वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन में संशोधन होने की संभावना है।

30 हजार से अधिक का होगा रोजगार सृजन
शहडोल कॉन्क्लेव में 32,520 करोड के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

पांच साल में दोगुनी जीडीपी वाला राज्य बनेगा मध्यप्रदेश

उद्यमशीलता से भारत को एक बार फिर बनाएंगे सोने की चिड़िया

हमारा स्वराज। शहडोल

हमारा मध्यप्रदेश 9 करोड़ का परिवार है और आने वाले 5 वर्षों में हम अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को शहडोल में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान देशभर के जाने-माने उद्योगपति मौजूद रहे, जिनसे मुख्यमंत्री यादव ने मध्यप्रदेश के विकास को लेकर वन-टू-वन चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से हम भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एमपी में तेज गति से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल, अनूपपुर, उमरिया क्षेत्र धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, परंतु इस क्षेत्र का विकास कहीं न कहीं रुका हुआ था।

मध्यप्रदेश देश का उभरता आईटी हब

मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश: द होम टू इमर्जिंग टेक हब्स इन इंडिया पर राज्य में आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम सेक्टर क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाओं पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में आईटी क्षेत्र में 1000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

उद्योगपतियों ने यह कहा

रिलायंस एनर्जी के रवि कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर संभाग में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर साहसी कदम उठाया है। यह छोटे और बडे दोनों निवेशकों के लिए बडा असरदार रहा है।

सरदा एनर्जी रायपुर के उद्योगपति कमल किशोर शारदा ने कहा कि हम शहडोल क्षेत्र में कोयले पर आधारित स्टील प्लांट लगाने जा रहे हैं। साथ ही नवकरणीय ऊर्जा एवं थर्मल पॉवर में भी हम निवेश करेंगे।

टोरेन्ट पॉवर लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट श्री नवीन कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश की निवेश नीति उद्योगों के अनुकूल है। मध्यप्रदेश निवेश की दृष्टि से आदर्श राज्य है।

रमणीक पॉवर बालाघाट के उद्योगपति हर्ष त्रिवेदी ने कहा कि हमने मध्यप्रदेश में 50 करोड़ रुपये के निवेश से उद्यम शुरु किया था, जिसे प्रदेश की उद्योग हितैषी नीति से 350 करोड के निवेश तक पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शहडोल में आयोजित आरआईसी में विभिन्न उद्योगपतियों और उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। खनन के क्षेत्र में कार्य कर रही शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स के सीएमडी श्री कमल किशोर शारदा ने ग्रीनफील्ड परियोजना के तहत एकीकृत स्टील प्लांट स्थापित करने की जानकारी दी। इसके लिए लगभग 500 एकड़ भूमि आवंटन किए जाने की बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सामने रखी। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश में निवेशकों को बेहतर माहौल तैयार करने के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्वस्त किया कि निवेशकों को सभी तरह का सहयोग सरकार देगी। प्रदेश में ऊर्जा सेक्टर में निवेश की असीम संभावनाओं को देखते हुए टॉरेंट पॉवर के वाईस प्रेसिडेंट नवीन सिंह ने 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 800 मेगावाट के ताप विद्युत परियोजनाएँ स्थापित करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने बताया कि इससे लगभग 7 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

सैफ अली खान के घर में घुसा युवक, एक करोड़ मांगे और कर दिया हमला

हमारा स्वराज। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में बुधवार देर रात एक शख्स ने अभिनेता पर घुसकर हमला किया। इस हमले में सैफ के साथ उनके बेटे की नैनी भी घायल हो गई। बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार यह घटना सुबह करीब ढाई बजे हुई। उस समय सैफ का परिवार और स्टाफ सो रहे थे। सैफ की 56 वर्षीय नर्स इलियामा फिलिप ने पुलिस को घटना का विवरण देते हुए जानकारी दी कि हमलावर एक युवक था, जिसकी उम्र 30 साल के करीब थी। वह पतला था। एफआईआर के मुताबिक हमलावर ने सैफ के चार वर्षीय बेटे जेह के कमरे में घुसकर पहले नर्स से एक करोड़ रुपये की मांग की। जब नर्स ने इसका विरोध किया, तो हमलावर ने उसे चाकू से हमला कर घायल कर दिया, जिससे उसके हाथ और कलाई में चोटें आईं। इस हंगामे की आवाज सुनकर सैफ की बेटे की नानी जूनु जाग गईं और शोर मचाया। इससे सैफ अली खान और उनकी पत्नी करीना कपूर खान मौके पर पहुंचे। सैफ ने अपने परिवार को बचाने के लिए घुसपैठिये का सामना किया।

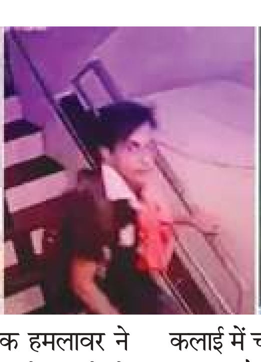

बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

18 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

हमारा स्वराज। रायपुर

बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुडबाका के जंगल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने 18 नक्सलियों को मार गिराया है और यह संख्या और भी बढ़ सकती है। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ जवान बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। दक्षिण बीजापुर के जंगल में सुबह करीब नौ बजे गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने कहा कि रुक-रुककर गोलीबारी अभी भी जारी है, आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। बताया जाता है कि नक्सली बड़ी बैठक ले रहे थे। इसमें छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना कैडर के हार्ड कोर नक्सली बैठक में शामिल थे। इनामी नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। घना जंगल होने की वजह से नक्सली भाग नहीं पाये। सभी जवान सुरक्षित बताये जा रहे हैं। लिस फोर्स के वापस लौटने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कितने नक्सली मारे गये हैं।

जय बापू, जय भीम, जय संविधान को लेकर उज्जैन में बैठक

हमारा स्वराज | उज्जैन

मध्य प्रदेश कांग्रेस के द्वारा आगामी दिनों में महू स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थल पर भव्य आयोजन कर रही है। आयोजन में कांग्रेस के राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे, सीडब्लूसी के साथ देशभर के बड़े नेता शामिल होंगे। यहां पर सभी संविधान को बचाने की शपथ लेंगे।

बीजेपी की सरकार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस शंखनाद की तैयारी के लिए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश के विधानसभा में पहुंच रहे हैं। उज्जैन में कांग्रेस कार्यालय में बैठक लेकर कार्यकर्ताओं में नई उर्जा का संचार किया। जीतू पटवारी के नेतृत्व में शहर कांग्रेस कार्यालय में जय बापू, जय भीम, जय संविधान को लेकर एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, शहर कांग्रेस के प्रभारी अमित शर्मा व सह प्रभारी राजा चोकसे, विधायक महेश परमार सहित सभी वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, वीरेंद्र गोसर, रमेश परिहार, सतीश मरमट, हेमंत गोमे, चेन सिंह चौधरी, हिमांशू शर्मा, पार्षद परमानंद मालवीय, फिरोज़ पठान, अनवर नागोरी, सादिक खान, ईमरान खान, राजेंद्र वशिष्ठ, गब्बर कुवाल, जाहिद पहलवान, छोटेलाल मंडलोई, ओम रामी, अर्पित दुबे, मुजीब सुपारी, श्रवन शर्मा, ओपी लोट, राजेंद्र राठौर, राकेश गिरजे, चंदू यादव, वरुण शर्मा, पीयूष व्यास, अतुल सक्सेना, राहुल लोट, श्याम जटिया, चुन्नी लाल धैर्य, प्रकाश सोलंकी, असरार मामू, सुशील गोधा, आबिद खान, मनोज ठाकुर, आनंद मीणा, जितेंद्र दूबे, बाबू भाई मोय्यादी, विजय यादव, सोनीया ठाकुर, नीलम विश्वास, कल्पना कुंभारे, ऊषा मालवीय, सलीम खान, रफीक भाई टेंपो, शाहिद सिद्दीकी, फिरोज़ भारती, सलीम भाई गैस वाले, बद्री मरमट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। संचालन देवव्रत यादव ने किया।

मांडव के जंगलों में मिला मृत मिला शावक

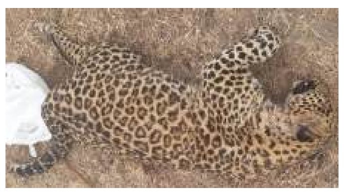

हमारा स्वराज | धार

मांडू में गुरुवार सुबह बकरी चराते शावक तेंदुए का शव जंगल में पड़ा दिखाई दिया। तेंदूए की उम्र लगभग डेढ़ वर्ष बताई जा रही है। सूचना पर वन विभाग के अधिकारी जंगल पहुंचे और जांच शुरू की। पोस्टमार्टम के बाद तेंदुए का दाह संस्कार कर दिया गया। कुछ दिन पूर्व भी मांडू वन परिक्षेत्र की बगड़ी सब रेंज के पीथमपुर क्षेत्र में एक तेंदुआ मार्ग पर मृत अवस्था में मिला था। वन परिक्षेत्र अधिकारी भुवनसिंह मंडलोई ने बताया की मृत तेंदुआ नर है। उम्र लगभग डेढ़ वर्ष हो सकती है। प्राथमिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि आपसी संघर्ष में शावक की मौत हुई है। जांच और रिपोर्ट के बाद में स्थिति स्पष्ट होगी।

इंदौर में फिर चमकी ठंड, पांच डिग्री लुढ़का पारा, ठंडी हवाएं चली

हमारा स्वराज | इंदौर

इंदौर में दिसंबर से ज्यादा ठंड के तीखे तेवर जनवरी में नजर आ रहे है। गुरुवार को शहर में दिन का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। बुधवार को दिन का तापमान 22 डिग्री रहा, लेकिन एक दिन बाद ही पांच डिग्री तक पारा लुढ़क गया। दिनभर सूर्यदेवता बादलों में छुपे रहे है और ठंडी हवाएं दिनभर परेशान करती रही। रात में बर्फीली हवा से बचने के लिए लोग घरों में दुबके रहे या फिर अलाव का सहारा लिया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिन तक तापमान इसी तरह बना रहेगा।

गुरुवार सुबह शहर में बादल छाए हुए थे। सूर्य देवता नदारद थे। दिन में हल्की धूप खिली,

लेकिन थोड़ी देर के लिए। एक बजे के बाद शहर बर्फीली हवा के आगोश में समाने लगा और ठंड के तेवर तीखे होते चले गए। शाम को लोग स्वेटर, कनटोपे और हाथ मौजों से लैस होकर बाहर निकले। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को दिन का तापमान 22 डिग्री रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। हवा की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटा रही। बुधवार रात का तापमान 16.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से सात डिग्री कम रहा, जबकि बुधवार दिन का तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था। गुरुवार शाम को शहर में कोहरा भी छाया रहा। इंदौर के बायपास पर इस कारण वाहनों की रफ्तार कम रही। कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई थी। मौसम विभाग के अनुसार दो दिन तक तापमान कम रहेगा और बर्फीली हवाएं चलेगी।

सद्भाव की एक नई दास्तां : उर्दू के मंच पर सराहे जाएंगे गुरु सत्तन

हमारा स्वराज | इंदौर

इंदौर अब सद्भाव की एक नई दास्तां लिखने की ओर अग्रसर है। आने वाली पहली फरवरी को यहां हिंदी कवियों के सिरमौर सत्य नारायण सत्तन (गुरु) के नाम केंद्रित जश्न मनाया जाने वाला है। सुखद पहलू यह है कि कवि सम्मेलनों की शान कहे जाने वाले इस महान कवि को बड़े एजाज से नवाजने का जिम्मा एक उर्दू मंच ने उठाया है। सत्तन गुरु को समर्पित इस जश्न में देश दुनिया के नामवर शायर अपने बेहतरीन कलाम का नजराना पेश करने वाले हैं।

दुनिया में अपनी खास शैली और मजाकिया अंदाज के कारण पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध कवि सत्तन गुरु को समर्पित जश्न ए सत्तन का आयोजन किया जा रहा है। सामाजिक समरसता के लिए काम करने वाली संस्था काफिला मुहब्बत ने इस आयोजन की रूपरेखा बनाई है। कार्यक्रम आयोजक इस प्रोग्राम को शहर की गंगा जमुनी तहजीब की माला की महत्वपूर्ण कड़ी करार दे रहे हैं। उनका कहना है कि सत्तन से शहर को दुनियाभर में एक अलग पहचान हासिल है। उनको सम्मान दिया जाना शहर के हर धर्म, मजहब, वर्ग, व्यक्ति और संस्था की जिम्मेदारी है। आयोजक कहते हैं कि गुरु जी को सम्मान दिया जाना इस तरह माना जा रहा है कि शहरवासी खुद ही अपने सिर पर बुजुर्गों की दुआओं का हाथ रखवाने की कोशिश कर रहे हैं।

इनकी रहेगी मौजूदगी

जश्न ए सत्तन में जहां वरिष्ठतम हिंदी कवि सत्तन गुरु अपनी कविताओं से इंदौर की जनता को आशीर्वाद देंगे। वहीं जावेद अख्तर, शकील आजमी, अबरार काशिफ, महशर आफरीदी, शकील जमाली, नदीम शाद, स्वयं श्रीवास्तव, नदीम फर्रूख, नईम फराज, हिमांशी बाबरा, इब्राहिम अली, मणिका दुबे, अहमद निसार, तज़दीद साकी, इमरान यूसुफजई आदि अपने कलाम का नजराना पेश करेंगे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर विशेष शिविर है : कलावती यादव

हमारा स्वराज | अमृत बैंडवाल

उज्जैन। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान शिविर के अंतर्गत सोमवार को वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत रामी नगर एवं वार्ड क्रमांक 42 पंवासा स्थित हजारी हनुमान मंदिर पर शिविर का आयोजन निगम अध्यक्ष कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती जानी बाई सतीश राठौर, की उपस्थिति में किया गया।

इस दौरान यादव ने कहा गया कि यह जो शिविर वार्डवार आयोजित किए जा रहे हैं, यह बहुत ही महत्वपूर्ण एवं विशेष शिविर है जो कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ पंचायत में भी आयोजित किया जा रहे हैं। इसमें नागरिकों एवं हितग्राहियों की समस्याओं को भोपाल स्तर तक सुना जा रहा है। इसलिए जितनी अधिक से अधिक समस्याएं आप इन शिविरों के माध्यम से बताएंगे उतनी ही समस्याओं का निराकरण भोपाल स्तर से किया जाएगा। इसलिए कोई भी पात्र हितग्राही इन जनकल्याण शिविर से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद आप सभी नागरिकों एवं हितग्राहियों की चिंता लिए हुए हैं, इसीलिए यह शिविर आपके वार्ड में आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें सरकार खुद आपके द्वार तक लाभ देने हेतु पहुंच रही है। इस दौरान निगम अध्यक्ष द्वारा शिविर में नामांतरण स्वीकृति पत्र एवं पात्रता पर्ची का वितरण हितग्राहियों को किया गया। इस दौरान वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत एमआईसी सदस्य जितेंद्र कुवाल, जोन अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालवीय,मंडल अध्यक्ष हरीश सोलंकी,उपायुक्त मनोज मौर्य,जोनल अधिकारी रवि राठौर, मुकेश यादव, आनंद खींची, प्रभु लाल जाटवा, आदि नागरिक गण उपस्थित रहे।

लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट में अग्रणी है शेल्वी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल

बेहतर सर्जन्स और अत्याधुनिक तकनीकी के साथ इंदौर में हो रहे सफल ऑर्गन ट्रांसप्लांट, खर्च मेट्रो शहरों की तुलना में 40 प्रतिशत तक कम

हमारा स्वराज | इंदौर

सेंट्रल इंडिया का मेडिकल हब इंदौर ऑर्गन ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में भी अग्रणी है। पूरे राज्य के 80% अंगदान इंदौर में ही होते हैं। कालिफाइड सर्जन्स, डेडिकेटेड स्टाफ और ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं होने के कारण इंदौर में अब मेट्रो सिटीज की तरह ही सफल ऑर्गन ट्रांसप्लांट होने लगे हैं, जबकि मेट्रो शहरों की तुलना में ऑर्गन ट्रांसप्लांट पर होने वाला खर्च यहां 30 से 40% तक कम होता है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट में अग्रणी शेल्वी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसलटेंट, एचपीवी एंड लिवर ट्रांसप्लाट सर्जन डॉ. निशांत शिव बताते है कि पिछले 10 महीनों में हमने 8 सफल लीवर ट्रांसप्लांट किए हैं, जिनमें से 6 लिविंग डोनर थे। यानि हमने परिजनों के लिवर के एक हिस्से को लेकर मरीज में ट्रांसप्लांट कर उनकी जान बचाई है। लिवर खुद- ब-खुद विकसित होने वाला अंग है. इसलिए अपने प्रियजनों को लिवर डोनेट कर आप उनकी जान बचा सकते हैं। इसके बाद डोनर का जीवन भी बिलकुल सामान्य होता है। लिवर डोनेट करने के बाद भी आप स्पोर्ट्स में करियर बना सकते हैं या महिलाएं बच्चों को जन्म दे सकती हैं।

जटिल ऑर्गन ट्रांसप्लांट भी संभव : शहर में अब जटिल ऑर्गन

ट्रांसप्लांट भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। शेल्बी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल के सीनियर यूरोलॉजिस्ट और किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. विनीत नाजा जैन कहते है कि हम एबीओ इनकंपैटिबल किडनी ट्रांसप्लांट भी सफलतापूर्वक कर रहे है, जिसमें मरीज और डोनर का ब्लड ग्रुप मैच नहीं करता है। यह एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें मरीज का एक महीने पहले से हाई इम्यूनो सरप्रेशन और प्लाज्मा एक्सचेंज करना होता है। 2018 से अब तक हम 40 से ज्यादा सफल किडनी ट्रांसप्लांट कर चुके है। हम डोनर से लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के माध्यम से किडनी लेते हैं। इससे डोनर की रिकवरी भी तेज होती है। हम लोगों को अंगदान के लिए भी जागरूक करना चाहते हैं। अभी ब्रेन डेड की स्थिति में 10% से भी कम लोग अंगदान का फैसला लेते हैं जबकि उनके अंग कई लोगों को नया जीवन दे सकते हैं।

आसानी से मिलती है लीगल परमिशन और आर्थिक सहायता

डॉ. शिव और डॉ. जैन के अनुसार मध्यप्रदेश में रहने वाले लोगों के लिए इंदौर में ऑर्गन ट्रांसप्लांट करवाना ज्यादा बेहतर विकल्प इसलिए भी है क्योंकि इसके लिए जरूरी लीगल परमिशन मूल निवासियों को आसानी से मिल जाती है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए किसी मेट्रो शहर में जाने पर इस प्रक्रिया में एक महीने से भी अधिक का समय लग सकता है, जबकि इंदौर में हम 15 दिन से भी कम वक्त में इसे पूरा कर लेते है। इससे इमरजेंसी में मरीज का बहुमूल्य समय बचता है। वहीं शेल्बी हॉस्पिटल सीएम फंड सहित विभिन्न एनजीओ की सहायता से जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक मदद दिलवाने में भी सहायता करता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के जरिए नया जीवन मिल पाता है।

शैल्बी हॉस्पिटल्स के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ अनुरेश जैन एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ विवेक जोशी ने बताया, 'पिछले कुछ सालों में किडनी और लिवर से संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है और सही इलाज़ की सुविधा न होने पर मरीज भटकते रहते हैं। हमें बेहद खुशी है कि शैल्बी हॉस्पिटल की टीम के द्वारा किया गया है, इसी साल शैल्बी मल्टी ने नई डायग्नोस्टिक्स और तकनीकों से लैस और गंभीर मामलों को संभालने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की पैनल के द्वारा मरीजों का सफलतम उपचार किया जा रहा है। इसका लाभ पूरे मध्यभारत के लोगों के द्वारा लिया रहा है। हम इसी प्रतिबद्धता के साथ आगे भी काम करने के लिए संकल्पित है।'

मध्यप्रदेश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

हमारा स्वराज
भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

से जुड़ने का सुनहरा अवसर

(पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुभवी व्यक्तियों को प्राथमिकता)

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में जिला ब्यूरो एवं तहसील संवाददाता बनने हेतु इच्छुक व्यक्ति

आज ही सम्पर्क करें

hamara.swaraj@gmail.com
+91 9644567000 | 9406600127 | 9617457594 | 9009911734

महाकुंभ की वायरल हर्षा रिछारिया का होने वाला है विवाह, साध्वी का टैग लगने से परिवार चिंतित

हमारा स्वराज | भोपाल

भोपाल की हर्षा रिछारिया महाकुंभ 2025 में महामंडलेश्वर कैलाशानंदगिरी जी महाराज की शिष्या के रूप में रथ पर दिखाई दी। लोगों ने उन्हें साध्वी समझा। साध्वी के रूप में हर्षा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद उनकी चर्चा शुरू हो गई। लेकिन, हर्षा रिछारिया की अब शादी होने वाली है। उनके माता-पिता उनके लिए लड़का देख रहे हैं।

मूलतः झांसी की रहने वाली हर्षा रिछारिया के माता-पिता भोपाल में रहते हैं। पिता दिनेश रिछारिया प्राइवेट जॉब करते हैं और मां किरण रिछारिया बुटिक चलाती हैं। हर्षा ने बीबीए और एंकरिंग का कोर्स किया है। उनका परिवार 2004 में उज्जैन महाकुंभ के दर्शन के लिए आया और फिर भोपाल में बस गया।

केदारनाथ यात्रा के बाद अध्यात्म की तरफ हुआ झुकाव : हर्षा के पिता दिनेश रिछारिया ने बताया कि तीन साल पहले केदारनाथ यात्रा के बाद हर्षा का झुकाव आध्यात्म की ओर हो गया था। इसके बाद वह अध्यात्म की तरफ जाने लगी। दो साल से हर्षा ऋषिकेश में रह रही है। लोगों की सेवा के लिए उसने एक एनजीओ भी शुरू किया है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी हर्षा समाजसेवा करना चाहती है। उसे आगे क्या करना इसका फैसला भी खुद हर्षा ही करेगी।

हर्षा का परिवार उनकी बेटी के साथ लगे साध्वी के टैग से परेशान है। मां किरण रिछारिया ने कहा कि मेरी बेटी को किसी ने कभी क्लब, सड़क या मॉल में छोटे कपड़े पहने हुए नहीं देखा होगा। उसके कपड़े मैं ही तैयार करती हूं। छोटी बच्चियों को मेरी बेटी से सीख लेनी चाहिए। वह युवाओं के बीच सनातन का चेहरा रहेगी।

माता-पिता कर रहे शादी की तैयारी

दिनेश रिछारिया ने बताया कि वह उनकी बेटी की शादी की तैयारी कर रहे हैं। उसके लिए लड़का देख रहे हैं। दो जगह रिश्ते को लेकर परिवार में चर्चा है।

भाजपा पार्षद को जान से मारने की कोशिश

वार्ड-13 के पार्षद जगदीश राठौर पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने तलवार और लोहे की रॉड से किया हमला

हमारा स्वराज | उज्जैन

उज्जैन के निकट महिदपुर में एक भाजपा पार्षद पर जानलेवा हमला हुआ है, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। वार्ड-13 के पार्षद जगदीश राठौर पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने तलवार और लोहे की रॉड से हमला किया, जिसके कारण उनके दोनों हाथ और पैर में मल्टीप्ल फैक्चर हुआ है। उन्हें पहले महिदपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर उज्जैन के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, जगदीश ग्राम बनबना से एक कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी बाइक से लौट रहे थे। दोपहर करीब 2:15 बजे, वे मोहना रानीपिपल्या फंटा के निकट श्मशान घाट के पास पहुंचे, जहां ईश्वर, शुभम और संदीप नामक आरोपियों ने उन पर हमला किया। ईश्वर ने उन्हें तलवार से वार किया, जबकि शुभम और संदीप ने लोहे के पाइप से। बताया जा रहा है कि इस हमले में चार अन्य लोग भी शामिल थे। हमले के बाद आरोपियों ने जगदीश के पास रखे 5,000 रुपए भी छीन लिए। इस घटना के बाद, पार्षद के परिजनों ने नागदा थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एडिशनल एसपी नितेश भार्गव ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है और आरोपियों की तलाश जारी है। जगदीश ने कहा कि उन्हें पहले से ही धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि दशरथ ने कई बार जान से मारने की धमकी दी थी, और उसका बेटा सोशल मीडिया पर भी उन्हें धमकी देता था। हाल ही में, जगदीश ने संदीप चोपड़ा द्वारा हाथी की समाधि तोड़ने का विरोध किया था, जिसके बाद से ये लोग उन्हें निशाना बना रहे थे। तीन दिन पहले, उन पर सात लोगों ने मिलकर हमला किया था।

भर्ती प्रक्रिया हुई पूरी मेडिकल के साथ जांचे दस्तावेज

जिले को 10 वनरक्षक और मिले

हमारा स्वराज | धार

धार जिले में 10 और नए वनरक्षकों की नियुक्ति होने से कई हद तक जिले में विभाग को फायदा मिलेगा। विभाग के पास अभी पर्याप्त वनरक्षक नहीं होने के चलते भी अवैध लकड़ी के कारोबारियों के हौसले बुलंद है। वहीं, नए वनरक्षकों की भर्ती से जिले में अलग-अलग रेंज ऑफिस में इसकी नियुक्त होने से कुछ हद तक स्टाफ बढेगा।

गुरुवार को सुबह से तय समय पर अभ्यर्थी आ गए थे, जिनका भोज अस्पताल में मेडकिल हुआ व उनकी शारीरिक जांच की गई। वहीं, मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद वनरक्षक भर्ती परीक्षा में पास हुए वनरक्षक भर्ती के उम्मीदवारों को दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान 10 वनरक्षकों के सारे दस्तावेजों की जांच की गई। 10 अभ्यर्थियों में 3 महिला 7 पुरुष उपस्थित हुए थे। एक महिला कर्मचारी गर्भवती होने से वन विभाग के कर्मचारियों ने डॉक्टर की टीम बुलाकर परीक्षण करवाया। इसके बाद उनकी प्रकिया की गई। वन विभाग ने डीएफओ अशोक सौलंकी के मार्गदर्शन में 7 अधिकारियों की टीम बनाई, जिसमें एसडीओ रामसिंह मेड़ा ,एसके रणछोरे रेंजर कमलेश मिश्रा ,धर्मेंद्र शर्मा ,स्थापना शाखा चेतना कुशवाह व मंगीलाल वसुनिया टीम मौजूद।

सात परिक्षेत्र में 3 में प्रभारी के भरोसे

मध्य प्रदेश में सबसे बड़े जिले धार की पहचान होती है मगर यहा 1330.34 वर्ग किलो मीटर जंगल का इलाका फैला हुआ है। जिसमे तेंदूए नीलगाय व अन्य वन्यप्राणी मौजूद है।

उपनेता प्रतिपक्ष का आरोप : पूर्व मंत्री की नोटशीट पर सौरभ शर्मा की नियुक्ति

मेरे क्षेत्र में पोस्टिंग के आदेश दिखा दे, मैं राजनीति छोड़ दूंगा : भूपेंद्र सिंह

हमारा स्वराज | भोपाल

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। अब उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह को निशाने पर लिया है उन्होंने कहा है कि सौरभ की अनुकम्पा नियुक्ति भूपेंद्र सिंह ने करवाई थी। कटारे की प्रेस वार्ता के बाद भूपेंद्र सिंह ने भी अपना बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि कटारे के आरोप झूठे हैं मेरे क्षेत्र में पोस्टिंग के आदेश दिखा दे मैं राजनीति छोड़ दूंगा।उन्होने कहा कि आरक्षक की नियुक्ति की फाइल मंत्री तक नहीं आती। ये ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के स्तर से होती है। वह कोई ऐसा एक कागज या नोटशीट दिखा दें, जिसमें मैंने सौरभ शर्मा की नियुक्ति की सिफारिश की हो तो बताए।

मैं दो कागज सार्वजनिक कर रहा हूं : कटारे

हेमंत कटारे ने भूपेन्द्र सिंह के बयान का वीडियो दिखाते हुए कहा कि पूर्व परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने एक कागज दिखाने की बात कही थी मैं दो- दो कागज आज सार्वजनिक कर रहा हूं। सौरभ के नियुक्ति पत्र की प्रति तत्कालीन परिवहन मंत्री के निज सचिव को भेजी गई थी। उस आदेश की प्रतिलिपि जिन्हें भेजी गई उसमें लिखा था "निज सहायक माननीय परिवहन मंत्री जी की नोटशीट क्रमांक 14/09/16 के संदर्भ में सूचनार्थ" इससे यह स्पष्ट होता है कि सौरभ शर्मा की नियुक्ति में तत्कालीन मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने नोटशीट लिखी थी। उन्होने तत्कालीन गृह एवं परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा लिखी गई नोटशीट भी जारी की।

कागज बता रहे हैं कि मंत्री जी डायरेक्ट इसमें शामिल

हेमंत कटारे ने कहा कि मंत्री जी का दूसरा कागज मैं दिखा रहा हूं जिसमें भूपेंद्र सिंह के हस्ताक्षर की नोटशीट है। इसमें पूर्व मंत्री के साइन हैं। सवाल ये है कि आरक्षक की भर्ती में मंत्री अभिमत क्यों मांग रहे हैं? मंत्री खुद ही

नियुक्ति के लिए कह रहे हैं और अभिमत भी मांग रहे हैं। कागज बता रहे हैं कि मंत्री जी डायरेक्ट इसमें शामिल थे। 12/08/2016 का कलेक्टर का एक पत्र है। उसमें कलेक्टर ने परिवहन आयोग को पत्र लिखा। उसकी कॉपी संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, दूसरी प्रतिलिपि सीएमएचओ ग्वालियर और तीसरी सौरभ शर्मा को भेजी। इसमें मंत्री को कहीं कोई कॉपी नहीं भेजी गई है। लेकिन मंत्री जी के सौरभ शर्मा के प्रति इतनी चिंता थी कि उन्होंने स्वतः संज्ञान ले लिया।

सौरभ लंबे समय तक मालथौन में रहा पदस्थ

हेमंत कटारे ने कहा कि भूपेंद्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र खुरई में मालथौन चेक पोस्ट है। जब भूपेंद्र सिंह परिवहन विभाग के मंत्री थे, तब सौरभ लंबे समय तक मालथौन में पदस्थ रहा। इसके बाद जब वे नगरीय विकास मंत्री बने, तब भी सौरभ निरंतर उनकी विधानसभा में पदस्थ रहा। हेमंत ने कहा कि क्या यह संभव है कि भूपेंद्र सिंह जो शिवराज सिंह की नाक के बाल थे, उनकी इच्छा के विरुद्ध सौरभ शर्मा उनकी विधानसभा में इतने लंबे समय तक काम करता रहा। भूपेंद्र सिंह के स्टाफ में कोई सेंगर हैं। जिसकी मदद से सौरभ का सारा लेन-देन होता था। अगर उनके कॉल डिटेल की जांच होगी तो यह पूरा कनेक्शन सामने आ जाएगा।

हेमंत कटारे के आरोपों पर पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने खुरई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जवाब दिया। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कटारे जी मैनेज होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जो असली आरोपी हैं वो अपने बचने के लिए तमाम हथकंडे अपना रहे हैं। सिंह ने कहा कि मेरे परिवहन मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल में सौरभ शर्मा कभी भी मेरे विधानसभा क्षेत्र के चेकपोस्ट पर पदस्थ नहीं रहा। अगर कभी उसकी पोस्टिंग मालथौन चेकपोस्ट पर रही है तो हेमंत कटारे उसका आदेश व तारीख बताएं। यदि ये प्रमाणित कर दें तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा, मैं हेमंत कटारे जी पर मानहानि का केस करूंगा। उन्होने कहा कि मैं हेमंत कटारे से पूछना चाहता हूं कि ऐसी कौनसी नोटशीट है जिसमें मैंने सौरभ शर्मा की नियुक्ति के लिए अनुशंसा, सिफारिश या अनुमोदन किया हो। यह तो बहुत दूर की बात है, मैंने विचार करने के लिए भी लिखा हो तो वह नोटशीट बताएं। कटारे पत्रकार वार्ता कर सौरभ शर्मा व किसको को बचाना चाहते हैं। जब जांच एजेंसियां जांच कर रहीं हैं, तब पत्रकार वार्ता का क्या औचित्य है? जांच में सब सामने आएगा।

हेमंत कटारे के भाई पर 35 केस

भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि इनके भाई योगेश कटारे पर 35 आपराधिक केस हैं। आईएसबीटी पेट्रोल पंप के पास जो झुग्गी-झोपड़ियां हैं उनमें इनके भाई योगेश कटारे के संरक्षण में गांजा, अफीम, ब्राउन शुगर बेचने का काम होता हैं। जिसकी जांच के लिए मैं पुलिस को लिख रहा हूं। ये भिंड से चुनाव कैसे जीते यह भी सबको मालूम हैं। इनके भाई भोपाल से अपराधियों को भिंड ले जाकर बूथ कैप्चरिंग करके चुनाव जीते हैं।भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि हेमंत कटारे ये भी बताएं परिवहन घोटाले के आरोपियों ने इस पत्रकार वार्ता के लिए कैसे मैनेज किया है। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि जांच एजेंसियों को हेमंत कटारे की भी कॉल डिटेल निकालकर देखना चाहिए। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि हेमंत कटारे को मेरे कार्यकाल की सराहना करना चाहिए, जिसमें मैंने चेक पोस्टों को बंद कर दिया था।

जम्मूतवी स्टेशन पर कार्य के चलते कई गाड़ियां अस्थायी रूप से निरस्त

हमारा स्वराज | भोपाल

उत्तर रेलवे के जम्मूतवी स्टेशन पर री-डेवलपमेंट एवं यार्ड कनेक्शन के एनआई (नॉन-इंटरलॉकिंग) कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली निम्नांकित यात्री गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है|

- गाड़ी संख्या 12751 नांदेड – जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 21.02.2025 और 28.02.2025 को कुल 2 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 12752 जम्मू तवी – नांदेड एक्सप्रेस दिनांक 23.02.2025 और 02.03.2025 को कुल 2 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 11077 पुणे जं. – जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 17.02.2025 से 04.03.2025 तक कुल 16 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 11078 जम्मू तवी – पुणे जं. एक्सप्रेस दिनांक 19.02.2025 से 06.03.2025 तक कुल 16 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर – श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस दिनांक 01.03.2025 से 05.03.2025 तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा – डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस दिनांक 03.03.2025 से 07.03.2025 तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 22705 तिरुपति-जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 14.01.2025, 21.01.2025, 28.01.2025, 04.02.2025, 11.02.2025, 18.02.2025 और 25.02.2025 को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 22706 जम्मू तवी-तिरुपति एक्सप्रेस दिनांक 17.01.2025, 24.01.2025, 31.01.2025, 07.02.2025, 14.02.2025, 21.02.2025 और 28.02.2025 को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके यात्रा प्रारम्भ करें।

रील बनाते समय नहर में गिरी कार दो युवकों की मौत और एक घायल

हमारा स्वराज | भोपाल

भोपाल के कोलार इलाके में चलती कार में रील बनाने के शौक ने दो युवकों की जान ले ली। रील बनाने के दौरा कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। कोलार पुलिस के मुताबिक कोलार में रहने वाला पलाश गायकवाड़ दोस्त विनित और पीयूष के साथ बीती रात कोलार क्षेत्र में कार से घूम रहे थे। तीनों युवक चलती कार में मोबाइल से रील बनाने लगे, तभी इनायतपुर नहर में उनकी कार गिर गई। हादसे में पलाश और विनित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीयूष गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पीयूष को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी हालत खतरे से बाहर है।

हमारा स्वराज
इंदौर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025

सम्पादकीय

मोटापा सब पे भारी

अर्थिक विषमताओं के बावजूद देश के लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। इस संकट का विरोधाभासी पक्ष यह है कि अमीर संग गरीब भी मोटापे का शिकार हैं। जिसकी वजह से देश की आबादी के लिये मोटापे के मानकों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। इस बाबत नवीनतम दिशानिर्देश समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। दरअसल, पारंपरिक बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई नये परिदृश्य में मोटापे को तार्किक रूप से परिभाषित नहीं करता। ये हमारी शरीर में बढ़ी चर्बी को नहीं दर्शाता। यह वजह है कि नये मानक पेट की चर्बी को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, हमारी शरीर की बढ़ी हुई चर्बी ही कालांतर मधुमेह और हृदय रोग जैसे चयापचय संबंधी विकारों को जन्म देती है। जो भारतीयों को असमान रूप से परिभाषित करता है। यही वजह है कि अब बीएमआई को माटापे नापने में अपर्याप्त माना जा रहा है। दरअसल, मोटाप नापने का परंपरागत मानक आनुवंशिक व शारीरिक संरचना के अंतर को नजरअंदाज करता है। जिसके विकल्प के रूप में अब कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात को अधिक विश्वसनीय संकेतक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2019-21 की अवधि के दौरान किए गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 23 फीसदी महिलाएं अधिक वजन वाली और चालीस फीसदी मोटे पेट वाली थीं। जबकि 22 फीसदी पुरुष अधिक वजन वाले और 12 प्रतिशत मोटे पेट वाले थे। विरोधाभासी रूप से गरीबों में भी इसका प्रभाव नजर आया है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों के बावजूद लोग कैलोरी सघन व पोषक तत्वों की कमी वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकल्प को चुनते हैं।

क्या कांग्रेस का वैचारिक पता भी बदल गया है?

डॉ. सुदीप शुक्ल
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय का पता बदल गया है। यह केवल कांग्रेस के कार्यालय का स्थान परिवर्तन भर है, या इससे पार्टी में आए वैचारिक परिवर्तन का पता भी मिलता है? यह प्रश्न् इसलिए भी उठ रहा है क्यों कि नए कार्यालय 'इंदिरा गांधी भवन' के उद्घाटन समारोह के अपने भाषण में कांग्रेस के 'अघोषित शीर्ष नेतृत्वआ' एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीधे तौर पर कहा कि उनकी लड़ाई भाजपा और संघ से ही नहीं है बल्कि 'इंडियन स्टेट' से भी वे लड़ रहे हैं। उनके इस वक्तोव्य को लेकर देश में एक बार फिर नई बहस छिड़ गई है और एक बार फिर श्री गांधी आलोचनाओं के घेरे में हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि श्री गांधी 'इंडियन स्टेंट' का उल्लेख किन्ही और संदर्भों में कर गए हैं क्योंकि सर्वविदित है कि वे प्रायः अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारत के संविधान की प्रति हाथ में लिए दिखते हैं। वर्तमान लोकसभा सांसद के रूप में भी उन्होंने संविधान को हाथ में लेकर ही शपथ ग्रहण की थी। ऐसे में संविधान की समझ और भारत राज्य के प्रति उनसे और अधिक जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है लेकिन उनके इस वक्तव्य ने देश को निराश किया है। संविधान को जानते हुए वे इस बात से भी भली-भांति परिचित होंगे कि भारत राष्ट्र से किसी भी नागरिक की लड़ाई संविधान की मूल भावना के विरुद्ध ही है। नई दिल्लीष के 24, अकबर रोड स्थित अपने पुराने कार्यालय से 9-A, फीरोजशाह कोटला रोड स्थित नए कार्यालय में पहुंचने में कांग्रेस को 46 वर्ष लगे हैं। इन वर्षों में कांग्रेस ने कई ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं। उद्घाटन अवसर पर अपने भाषण में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने देश की सभी संस्थानों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न सिर्फ भाजपा और आरएसएस, बल्कि इंडियन स्टेट से भी लड़ाई लड़ रही है। उनके इस भाषण के दौरान पार्टी नेता सोनिया गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठे नेता मौजूद थे। इनमें से किसी भी वरिष्ठ पार्टी नेता ने राहुल गांधी के इस वक्तव्य से असहमति व्यक्त नहीं की। कांग्रेस नेता ने अपने भाषण को प्रमुख रूप से भाजपा, राष्ट्रीय स्व यंसेवक संघ, विचारधारा और चुनाव सुधारों पर केंद्रित रखा। यद्यपि इस अवसर पर उनसे कांग्रेस के इतिहास और भविष्य की दिशा पर भी चर्चा की अपेक्षा की गई होगी। राहुल गांधी पर यह आरोप लगते रहे हैं कि वे अपने भाषणों और बयानों में विवादों को जन्म दे जाते हैं। वास्तव में एक बार फिर वे भाजपा और संघ को निशाना बनाते हुए भारत को भी निशाने पर ले आए। कांग्रेस नेताओं और मुख्य रूप से राहुल गांधी पर ये आरोप भी लगते रहे हैं कि वे भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ बोलते हुए अपनी सीमा का उल्लंयघन करते हुए भारत के खिलाफ ही बोलने लग जाते हैं। विपक्षी राजनीतिक दल के नेता होने के कारण उनके द्वारा सत्ता रुढ़ दल की आलोचना को राजनीतिक वक्तिव्या माना जा सकता है किन्तुन जिस प्रकार वे देश, संस्क़ाति और धर्म का ही विरोध करने लग जाते हैं उसे भारतीय समाज स्वीकार नहीं करता है। किसी भी नागरिक की कोई भी राजनीतिक विचारधारा हो सकती है। भारत का संविधान प्रत्येकक नागरिक को इसके लिए अभिव्यक्ति की स्वनतंत्रता का अधिकार देता है किन्तु यह स्वतंत्रता किसी भी स्थिति में राष्ट्र् के विरुद्ध नहीं हो सकती। अपने निर्माण से लेकर आज तक कांग्रेस ने कई परिवर्तनों के दौर देखे हैं। स्वतंत्रता के ध्येरय के साथ आंदोलित रही कांग्रेस की अगुवाई में ही देश में संविधान निर्माण किया गया। स्वतंत्रता के बाद संविधान को दरकिनार कर आपातकाल लगाने का असंवैधानिक कार्य कांग्रेस की सरकार के समय ही किया गया। संविधान की प्रस्तावना को जब संशोधित किया गया तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। यह कार्य राज्य की अवधारणा और संविधान को क्षति पहुंचाने के लिए ही याद किए जाते हैं। अपने भाषणों और बयानों के कारण राहुल गांधी पूर्व में भी विवादों में आते रहे हैं। देश में और देश के बाहर उनकी कही गई कई बातें भारत के विचार के विपरीत दिखाई दी हैं। कई बार भारत और विदेश में उनके बयान असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं साथ ही भारत की छवि को भी प्रभावित करने वाले रहे हैं। अपनी ब्रिटेन और अमेरिकी यात्राओं में भी वे भाजपा की आलोचना करते हुए कब भारत की आलोचना कर चुके हैं। उनके वे वक्तव्य विश्वा में भारत और भारतीय लोकतंत्र के लिए नुकसान पहुंचाने वाले रहे हैं। आधुनिक भारत के सबसे पुराने राजनीतिक दल के नेता होने और अब देश की संसद के नेता प्रतिपक्ष होने के नाते श्री गांधी को समझना होगा कि उनकी जिम्मेअदारी अब और अधिक बढ़ गई है। उनकी कही बात संपूर्ण राष्ट्र के साथ दूर तक सुनी जा रही है। भारत का संविधान भारत और भारत राज्यर की सुस्पष्ट व्याख्या करता है। संविधान के अनुच्छे द 1 में स्पष्ट् तौर पर कहा गया है कि भारत, राज्यों का संघ है। वहीं अनुच्छेद 12 'राज्यं' की व्यापक और सुस्पष्ट व्याख्या करता है। यह भी कम दिलचस्प नहीं कि श्री गांधी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उपयोग करते हुए यह वक्तव्य दिया है, वह अनुच्छेद 12 जिसमें राज्य की परिभाषा दी गई है, से जुड़ा हुआ है। श्री गांधी ही नहीं देश के राजनीतिक दलों के नेताओं से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे एक भारतीय नागरिक के रूप में संविधान प्रदत्त आचरणों का उपयोग करते हुए भारत राज्य की गरिमा बनाए रखें। यही भारत के श्रेष्ठ नागरिक के रूप में सभी का संवैधानिक दायित्व भी है।

10 साल से नागा संन्यासी के साथ धूनी रमा रहा है हरी पुरी नाम का कबूतर, महाकुंभ में किया अमृत

दिव्य और भव्य महाकुंभ में संगम की रेती पर अखाड़ों के साधु-संत ही बल्कि उनके साथ हरी पुरी नाम के कबूतर पक्षी भी धूनी रमा रहे हैं। अखाड़ों के संत की तरह पक्षी का भी नामकरण किया गया है। गुरु राज पुरी ने बताया कि मकर संक्रांति के मौके पर उनके साथ उनका कबूतर शिष्य भी अमृत स्नान किया था। वह भी कबूतर जूना अखाड़े से जुड़ा हुआ है। महाकुंभ में देश भर से आए नागा संन्यासियों के तरह-तरह के रूप देखने को मिल रहे है। इन्हीं में जूना अखाड़े से जुड़े एक कबूतर बाबा हैं। जिनका नाम राज पुरी है। उनके साथ हमेशा एक कबूतर रहता है। बातचीत में बाबा बताते हैं कि करीब 10 साल पहले उनके पास कबूतर आया था। वह उनकी हर बात को समझता है। इसलिए अब वह कबूतर उनका शिष्य बन चुका है। अखाड़े के संन्यासियों की तरह उसका नाम भी हरी पुरी रखा गया है। सभी साधुओं के साथ वह भी मकर संक्रांति पर संगम में अमृत स्नान किया था। वह लोगों को सभी जीवों की सेवा करने का संदेश देते हैं और कहते हैं धरती पर रहने वाला हर एक जीव, शिव है।

इंजीनियर हों या डॉक्टर, साल में एक बार बनना पड़ता है जंगम

हरियाणा के कुरुक्षेत्र की जंगम जोगी बिरादरी में परिवार के हर सदस्य को प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि पर जंगम की वेशभूषा धारण करनी पड़ती है। महाकुंभ में भी जंगम जोगी बिरादरी का एक दल पहुंचा है, जिसके सदस्य सिर पर मुकुट व मोरपंखी धारण कर श्रद्धालुओं व साधुसंतों को शिव कथा सुना रहे हैं। जंगम भगवान शिव व दशनाम जूना अखाड़ा के पुरोहित होते हैं। मान्यता है कि इनकी उत्पत्ति भगवान शिव के विवाह के वक्त हुई थी। दल के सदस्यों का कहना है कि कुरुक्षेत्र की जंगम जोगी बिरादरी में यह प्रथा है कि हर परिवार से किसी एक पुरुष सदस्य को साल में एक बार महाशिवरात्रि पर दो दिन के लिए जंगम बनना ही पड़ता है। महाकुंभ में आए इस दल में चेतन जंगम भी हैं, जो पेशे से इंजीनियर हैं लेकिन महाशिवरात्रि पर दो दिन के लिए जंगम बनते हैं और दल में शामिल होकर शिव-पार्वती की कथा सुनाते हैं। इस बार महाकुंभ में प्रयागराज आए हैं। इसी तरह जंगम जोगी बिरादरी का कोई सदस्य सेना तो कई पुलिस में है। महाकुंभ में आए दल के सभी सदस्यों ने सिर पर मुकुट धारण कर रखा है, जो भगवान ब्रह्मा का प्रतीक है। इसके साथ ही माता पार्वती का कर्णफूल, चंद्रमा, शेषनाग, नंदीगण की घंटी व सिर पर धारण किया गया मोरपंख भी इन्हें भीड़ में सबसे अलग करता है। दल के सदस्यों ने जैसे भगवान शिव की कथा शुरू की, आसपास मौजूद भक्त कथा में लीन होकर झूमते नजर आए। सदस्यों ने बताया कि माता पार्वती के जन्म से लेकर भगवान शिव के विवाह तक की कथा चार घंटे में पूरी होती है।

भजन और सूफी संगीत पर झूमे दर्शक

कलाग्राम में मैथिली ठाकुर ने भजनों से जमाया रंग

हमारा स्वराज। प्रयागराज

कलाग्राम में ऐसा सांस्कृतिक महाकुंभ लगा है, जिसमें कश्मीर से कन्याकुमारी तक झलक दिख रही है। सांस्कृतिक कुंभ के पांचवें दिन लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने समां बांधा। उनके मंच पर आते ही मौजूद श्रोताओं तालियों से उनका जोरदार स्वागत किया। अपनी प्रस्तुति से उन्होंने हर किसी की जुबान पर राम जी से पूछे जनकपुर की नारी से, छाप तिलक सब छीनी' जैसे गीतों की प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। गुरुवार को शाम मैथिली ठाकुर की सुरमयी आवाज का जादू हर किसी को दीवाना कर दिया। भजनों से लेकर सूफी संगीत तक अपनी आवाज का जादू बिखेरा। शानदार प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। मैथिली ने सजा दो घर को गुलशन सा मेरे सरकार आए हैं', , छाप तिलक सब छीनी' लोगवा देत कहे गारी, बता दा बबुआ ' श्याम आन बसो वृन्दावन मे, मेरी उमर बीत गयी गोकुल में, छाप तिलक सब छीनी', 'मेरे रश्के कमर तूने पहली नजर', कभी राम बनके कभी श्याम बनके को प्रस्तुत कर पूरे पंडाल को

भक्तिमय कर दिया और मेरे झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे राम आएंगे। आदि गाने पर तान छेड़ी तो लोग मंत्रमुग्ध हो उठे। इस दौरान कई लोग कुर्सियों को छोड़कर नाचते भी नजर आए। भीड़ के अभिवादन के बाद मैथिली ने रामा रामा रटते, बीती रे उमरिया' से आगाज किया। फिर एक के बाद कई नगमे सुनाए। 'डम-डम डमरू बजावे ला हमार जोगिया पर श्रोताओं ने तालियों से जुगलबंदी की। देर रात कार्यक्रम समाप्ति के बाद लोग मैथिली ठाकुर की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे। इससे पहले मध्य प्रदेश से आए प्रहलाद कुर्मी द्वारा राई नृत्य, सुभाष देवराणी द्वारा गढ़वाल के नृत्य, भद्दू सिंह एवं दल द्वारा बैगा,परधौनी नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। मैथिली ने कलाग्राम का किया भ्रमण- कलाग्राम में पहुंचते ही केंद्र के प्रभारी निदेशक आशिस गिरि ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कलाग्राम में बने इमर्सिव जोन तथा सभी जेडसीसी के आंगन का देखा। इस दौरान काफी संख्या में दर्शकों का तांता लगा रहा।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भी लगाई डुबकी

महाकुंभ में 10 देशों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न अखाड़ों का दौरा किया। इस यात्रा में उन्होंने न केवल महाकुंभ के धार्मिक महत्व को समझा, बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्भुत पहलुओं को भी अनुभव किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रतिनिधि दल ने समूचे महाकुंभ क्षेत्र का दौरा किया। जिससे उन्हें इस विशाल धार्मिक आयोजन की व्यापकता साक्षात देखने को मिली। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने दुनिया के इस सबसे बड़े आयोजन के भव्य इंतजाम के लिए योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। भारतीय संस्कृति को देखने और समझने के लिए सभी देशों के लोगों को यहां महाकुम्भनगर जरूर आना चाहिए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की प्रतिनिधि सैली एल अजाब ने कहा कि वो मध्य पूर्व से भारत आई हैं। यह एक अद्भुत क्षण है। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। यहां सब कुछ पूरी तरह से व्यवस्थित है। उन्होंने महाकुंभ की भव्यता की तारीफ की। कहा कि यह आयोजन न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। उन्हें यहां करोड़ों श्रद्धालुओं और उनकी विधिवत सुरक्षा व्यवस्था को देखकर भारतीय संस्कृति की महानता का अहसास हुआ। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुंभ के दौरान विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा का फर्जी पत्र जारी, कानूनी कार्रवाई करेगी पार्टी

हमारा स्वराज | सीहोर

सीहोर जिला भाजपा अध्यक्ष के नाम की मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा बुधवार रात कोई घोषणा नहीं की गई। जिला भाजपा अध्यक्ष रवि मालवीय ने कहा कि बुधवार रात को सोशल मीडिया पर एक फर्जी पत्र जिला भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा का वायरल हुआ, जो पूरी तरह से फर्जी है। मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा अधिकृत रूप से सीहोर जिला भाजपा अध्यक्ष के नाम की कोई घोषणा नहीं हुई है। जिला मीडिया प्रभारी सुशील संचेती ने कहा कि जिला भाजपा ने इस मामले को अति गंभीरता से लिया है। सोशल मीडिया पर किस ग्रुप में सबसे पहले उक्त फेक और फर्जी घोषणा का पत्र पोस्ट हुआ, इसकी गहराई से जांच की जा रही है। फर्जी पत्र बनाने और उसे जारी करने वाले की खोज कर, जिला भाजपा द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाध्यक्ष की घोषणा के लिए नहीं आए

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को लेकर बुधवार दोपहर से देर रात तक कशमकश चलती रही। कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि पर्यवेक्षक बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष की घोषणा करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बैठक में पर्यवेक्षक ने स्पष्ट किया कि वह जिलाध्यक्ष की घोषणा करने नहीं आए, बल्कि संविधान गौरव अभियान के तहत यह बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पर्यवेक्षक ने संविधान गौरव अभियान पर चर्चा की और प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया के तहत सभी जिला प्रभारियों से फार्म भरवाए। बता दें कि बुधवार रात भाजपा ने 15 जिलाध्यक्षों की घोषणा की थी, लेकिन सूची में सीहोर जिलाध्यक्ष का नाम नहीं था।

सहमति न बनने से रुकी घोषणा

सीहोर जिलाध्यक्ष के नाम पर सहमति न बनने के कारण घोषणा रुकी है। कुछ पदाधिकारी यह भी कयास लगा रहे हैं कि नियमों को शिथिल करते हुए जिलाध्यक्ष की घोषणा की जा सकती है। यदि ऐसा हुआ, तो रवि मालवीय और गौरव सत्री महाजन में से किसी एक को जिलाध्यक्ष बनाया जा सकता है।

निर्मला बारेला का फेक पत्र हुआ वायरल

सोशल मीडिया पर नसरुल्लागंज क्षेत्र की महिला नेत्री निर्मला बारेला का भाजपा जिला अध्यक्ष बनने का लेटर वायरल हुआ। इसके चलते कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई भी दी। हालांकि, यह पत्र पूरी तरह फर्जी था। इसके बाद भाजपा जिला अध्यक्ष रवि मालवीय को इसे लेकर बयान जारी करना पड़ा।

बारेला को दी जा सकती है जिम्मेदारी

बुदनी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत में बारेला समाज की भूमिका को देखते हुए यह भी चर्चा रही कि निर्मला बारेला का नाम जिलाध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ सकता है। अटकलों के अनुसार, भाजपा महिलाओं को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी देना चाहती है, बारेला समाज इसके लिए उपयुक्त माना जा रहा है।

छात्र की पिटाई से आहत होकर किशोर ने खाया जहर, गंभीर हालत में भर्ती

हमारा स्वराज | सागर

सागर जिले की खुरई तहसील के गढ़ौला जागीर गांव में कक्षा 9वीं के एक छात्र ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे सागर रेफर किया गया है। छात्र ने यह कदम अपनी ही कक्षा में पढ़ने वाले एक दबंग छात्र की पिटाई के डर से उठाया। जानकारी के अनुसार, सागर जिले के खुरई देहात थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ौला जागीर में कक्षा 9वीं के एक छात्र के साथ उसी के साथ पढ़ने वाले एक दबंग छात्र ने मारपीट की। इस घटना से दहशत में आकर नाबालिग ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों को जानकारी मिलते ही वे उसे खुरई सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर हालत में सागर रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

मारपीट करता था छात्र

पीड़ित छात्र ने बताया कि उसके साथ स्कूल में पढ़ने वाला दबंग छात्र आए दिन रास्ता रोककर मारपीट करता है। उसे जान से मारने की धमकी देता है और पैसों की जबरन वसूली करता है। कभी रुपये, कभी 50 और कभी 100 रुपये तक छीन लेता है। डर के कारण वह स्कूल भी नहीं जाता है। हाल ही में गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र के सामने भी आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। इसी दहशत में आकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।

अब तक शिकायत नहीं की

इस मामले में पीड़ित छात्र और उसके परिजनों ने अब तक पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। बीट प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक हुकम सिंह ने कहा कि छात्र या उनके परिजनों द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई है। अगर शिकायत आती है तो मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

तहसीलदार शत्रुघन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला

17 साल से पत्नी बनाकर शोषण करने का आरोप

हमारा स्वराज | ग्वालियर

ग्वालियर में पदस्थ तहसीलदार शत्रुघन सिंह चौहान के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। शिकायत करने वाली महिला ने दावा किया है कि चौहान ने झांसा देकर 17 साल तक शारीरिक संबंध बनाए। शादीशुदा होने की बात छिपाकर मुझसे शादी भी कर ली।

ग्वालियर के भितरवार तहसील में पदस्थ तहसीलदार शत्रुघन सिंह चौहान पर एक बार फिर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए महिला ने 8 जनवरी को कलेक्टर, एसपी, महिला थाना में लिखित शिकायत की है कि तहसीलदार ने शादी का वादा कर 17 साल तक उससे शारीरिक संबंध बनाए। मंदिर में उसकी मांग में सिंदूर भरकर पत्नी माना था.. पर इस दौरान एक अन्य युवक को घर में लाकर भी दुष्कर्म कराया था। महिला ने पुलिस से शिकायत में बताया था कि साल 2008 से 2025 तक आरोपी ने कई जगहों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

भिंड निवासी 34 वर्षीय महिला ने पुलिस को बताया है कि जब मुझे पता लगा कि तहसीलदार चौहान की मेरे अलावा तीन पत्नियां और हैं तो मुझे धक्का लगा। महिला ने इसकी शिकायत कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से की है। इससे पहले दिसंबर 2024 में महिला थाना में शिकायत की गई थी। यौन शोषण का दूसरी बार आरोप लगते ही कलेक्टर ने शत्रुघन सिंह चौहान को भितरवार तहसीलदार पद से हटाकर भू-राजस्व कार्यालय में पदस्थ कर दिया है। इससे पहले शत्रुघन सिंह चौहान पर सिटी सेंटर तहसील में भी आरोप लगे थे। यहां एक चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी ने यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसके बाद चौहान को सिटी सेंटर तहसील से हटाकर भितरवार तहसील में भेज दिया गया था।

दबाव बनाकर मजबूर किया

शिकायतकर्ता महिला के पति का निधन हो गया था। इसके बाद 2008 में वह चौहान के संपर्क में आई। चौहान की उसके जेठ के साथ गहरी दोस्ती थी। दोनों साथ में व्यापार भी करते थे। शत्रुघन सिंह चौहान ने जेठ से कहा- तुम्हारी विधवा बहू से विवाह करना चाहता हूं। उसे जीवनभर साथ रखूंगा। जेठ ने उसे दबाव बनाकर शत्रुघन सिंह चौहान के साथ रहने के लिए मजबूर किया। 2008 में ही चौहान की नायब तहसीलदार के पद पर नौकरी लग गई। उसके बाद कहने लगे, मेरी नौकरी लगी है जल्द ही विवाह करूंगा। साल 2010 में चौहान ने पीड़िता की मांग में सिंदूर भरकर पत्नी बना लिया।

कुंभ में जरूर जाएं सभी हिंदू : जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी

हमारा स्वराज | रायसेन

रायसेन नगर में रामकथा का पाठ करने आए श्री मानस पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामललाचार्य जी महाराज ने प्रयागराज कुंभ में सभी हिंदुओं से जाने की अपील कर उन्हें आमंत्रित किया है। उन्होंने कुंभ का महत्व विस्तार से बताया और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि कुंभ में गैर हिंदुओं के प्रतिबंध का उद्देश्य मुख्यता सुरक्षा व्यवस्था बनाना है। क्योंकि देखा जाता है गैर हिंदू अपने धार्मिक आयोजनों में अन्य धर्म के लोगों का प्रवेश वर्जित रखते हैं। इसलिए सीएम योगी ने भी यह व्यवस्था बनाई है।

144 साल में बाद इस कुंभ का खास संयोग बना

उन्होंने बताया कि 144 साल में बाद इस कुंभ का खास संयोग बना है। यह पूरे विश्व में हिंदुओं का सबसे बड़ा मेला है। यहां आकर आपके मन की नकारात्मकता संतों के दर्शन करने और गंगा में डूबकी लगाकर स्नान करने से दूर हो जाती है। इसलिए हमें अपने बच्चों को भी जरूर कुम्भ स्नान के लिए लेकर जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रयागराज कुंभ में मानसपीठ द्वारा 18 जनवरी से दो फरवरी तक श्रीरामानन्दाचार्य मानसपीठ खालसा के मुक्ति मार्ग मेन रोड, गाटा बेड़ी माधव मार्ग सेक्टर 16, प्रयागराज में श्री राम महायज्ञ एवं श्री मद् भागवत महापुराण का भव्य आयोजन रखा गया है, जिसमें शामिल होकर सभी धर्म लाभ उठा सकते हैं।

कुशीनगर एक्सप्रेस के कोच में गड़बड़ी

बीना रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही ट्रेन

हमारा स्वराज | सागर

लोकमान्य तिलक मुंबई से गोरखपुर जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस के एसी कोच में तकनीकी खराबी आ गई। इसके के चलते ट्रेन बीना जंक्शन पर दो घंटे खड़ी रही, बाद में कोच को अलग कर ट्रेन को रवाना किया गया।

जानकारी के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गोरखपुर जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस (22538) के एसी कोच में बुधवार देर शाम गंभीर तकनीकी खराबी का पता चला। विदिशा स्टेशन पर ट्रेन के बी-5 कोच का एक्सल बॉक्स टूट गया। वहां कोच को अलग करने की सुविधा नहीं होने के कारण, ट्रेन को कम रफ्तार से 86 किलोमीटर दूर बीना तक लाया गया। इसके बाद कोच को हटाकर यात्रियों को दूसरे अन्य कोच में शिफ्ट किया गया।

81 यात्रियों को दूसरे अन्य कोच में शिफ्ट किया : बताया गया कि मुंबई से गोरखपुर की ओर जाने वाली कुशीनगर एक्सप्रेस के बी-5 वातानुकूलित कोच में तकनीकी समस्या होने की सूचना बीना स्टेशन प्रबंधक को मिली थी। ट्रेन बुधवार को करीब 6:40 बजे बीना रेलवे स्टेशन पहुंची। सूचना के बाद मौके पर रेलवे के स्थानीय अधिकारी, सी एंड डब्ल्यू स्टाफ, कमर्शियल और आरपीएफ जवान मौके पर पहुंचे। वहीं रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में कोच को ट्रेन से हटाया गया और ट्रेन में मौजूद 81 यात्रियों को दूसरे अन्य कोच में शिफ्ट किया गया। इसके चलते रेलवे स्टेशन पर करीब 2 घंटे ट्रेन खड़ी रही, और फिर ट्रेन को रवाना किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों के लिए झांसी रेलवे स्टेशन पर अलग से एसी कोच की व्यवस्था की जाएगी।

सड़क निर्माण के दौरान गड्ढे में मिला टिफिन बम, कर्मचारियों व लोगों के फैली दहशत

हमारा स्वराज | जबलपुर

जबलपुर के पाटन थानांतर्गत सड़क निर्माण के दौरान गड्ढे में टिफिन बम मिलने से कर्मचारी व लोगों ने दहशत फैल गई। टिफिन बम के साथ वायरिंग का सर्किट भी लगा हुआ था। पुलिस के बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने बम को अपने कब्जे में लिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा के अनुसार पाटन थानांतर्गत चौधरी मोहल्ला में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत एक सड़क का निर्माण किया जा रहा था। निर्माणाधीन सड़क की खुदाई के दौरान एक गड्ढे में प्लास्टिक के टिफिन में संदिग्ध वस्तु मिली थी। टिफिन के साथ वायरिंग सर्किट लगा हुआ था। इसके कर्मचारियों तथा क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया था। कर्मचारी ने काम बंद कर दिया था और कोई भी गड्ढे के पास जाने से घबरा रहा था। उनके द्वारा पुलिस को टिफिन बम मिलने की सूचना दी गई।

जिसे गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस घटनास्थल में पहुंच गई थी और एहतियात के तौर पर बम डिस्पोजल स्क्वॉड को बुलाया गया। बीडीएस की टीम ने घटनास्थल में कथित टिफिन बम को अपने कब्जे में लिया। जिसके बाद सड़क निर्माण का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया। बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने जांच में पाया कि टिफिन के अंदर मिट्टी भरी हुई थी। इसके अलावा ट्रांजिस्टर का एक पार्ट लगा दिया गया था। उस बम का रूप देने के लिए वायर जैसी रस्सी लगा दी थी। टिफिन को लगभग तीन माह पूर्व किसी शरारती बच्चे या तत्व द्वारा गड्ढे में दबाया गया था।

विठलेश सेवा समिति ने दस दर्जन से अधिक संगठनों की बैठक की

पं. प्रदीप मिश्रा ने समाज और संगठनों के पदाधिकारियों का किया सम्मान

हमारा स्वराज | सीहोर

सीहोर जिले के निर्माणाधीन मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में 25 फरवरी से होने वाले सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव और शिव महापुराण का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए विठलेश सेवा समिति ने दस दर्जन से अधिक संगठनों के पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया। बैठक के दौरान कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने यहां पर आए ग्रामीण और शहरी इकाई के विभिन्न जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, समाज के पदाधिकारियों के अलावा संस्था और संगठनों के पदाधिकारियों को मंच से सम्मानित किया।

दरअसल, फरवरी महीने में रुद्राक्ष महोत्सव और शिव महापुराण के भव्य महोत्सव में इस बार भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। शहर के यशराज गार्डन में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में करीब दस दर्जन से अधिक सामाजिक संगठनों, मंदिर के आस-पास के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, महिला मंडलों, समाजजनों के अलावा विभिन्न संगठनों ने इस भव्य आयोजन में पूरे समर्पण के साथ सहयोग करने का संकल्प लिया। यह आयोजन क्षेत्रवासियों का सिर ऊंचा करेगा और 'अतिथि देवो भव' के अर्थ को सही सिद्ध करेगा।

बैठक में मुख्य रूप से विधायक सुदेश राय, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती, सीताराम यादव, सन्नी महाजन, नरेश मेवाड़ा और समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की। विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि भव्य आयोजन को लेकर सभी समाजजनों से सुझाव लिए गए। रुद्राक्ष महोत्सव को महाकुंभ की तरह मनाया जाएगा। इस महोत्सव में हर रोज लाखों श्रद्धालु देश और विदेश से शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान सुबह विशेष रुद्राक्ष शिवलिंग बनाकर अभिषेक किया जाएगा।

रुद्राक्ष प्रतिमा का प्रतिदिन दूध, जल व फलों के रसों से अभिषेक होगा। दोपहर में कथा का आयोजन और शाम को कलाकारों द्वारा धार्मिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस मौके पर देश के प्रसिद्ध गायक भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे और हर रोज देश के जाने-माने संतों के प्रवचन का लाभ मिलेगा। श्री विठलेश सेवा समिति ने विभिन्न समितियों का गठन किया है, जो पांडाल, पेयजल, भोजन, यातायात, स्वास्थ्य, प्रचार से लेकर प्रशासनिक समन्वय तक की व्यवस्थाएं संभालेंगी।

हल्दी-कुमकुम समारोह में शगुन का उपहार किया भेंट

हमारा स्वराज | आंबेडकर नगर (महू)

सहयोग महिला संगठन महू एवं उत्सव संगठन किशनगंज महू द्वारा इस वर्ष भी हल्दी कुमकुम का आयोजन स्थानीय इंद्रपुरी कॉलोनी किशनगंज में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी गीता खंडेलवाल एवं पूर्व पार्षद विमल विजयवर्गीय आशीर्वाद दाता के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर स्वाति विजयवर्गीय, प्रीति खंडेलवाल एवं वर्षा मोदी के नेतृत्व में हल्दी कुमकुम किया जाकर सम्मान सहेजने के लिए शगुन के रूप में हल्दी कंकु लगाया जाकर भेंट स्वरूप चंदन केसर तिल लड्डू महिलाओं को दिया गया। इस दौरान मनोरंजन स्वरूप अनेक गेम करवा करवाकर मकर संक्रांति स्पेशल प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। इसमें प्रथम स्थान पर ज्योति जयसवाल, द्वितीय स्थान पर संध्या पांडे विजय हुई, जिन्हें उपस्थित आशीर्वाद दाताओं द्वारा नगद पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुनीता विजयवर्गीय, अनीता मोदी, अलका अग्रवाल, सुनीता वर्मा, गजनरी शर्मा, नेहा चतुर्वेदी आदि महिलाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन अंजली पांडे द्वारा माना गया।

महिला ने कराया मुकदमा दर्ज परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

हमारा स्वराज | आंबेडकर नगर (महू)

महू विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सिमरोल सरपंच प्रतिनिधि लेखराज डाबी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाने वाली वाली महिला के खिलाफ न्यायिक जाँच के लिए महू एडिशनल एसपी कार्यालय महू पर सरपंच प्रतिनिधि के परिजन एवं दलित कल्याण एवं उत्थान समिति न्यायिक जाँच की मांग करते हुए एक ज्ञापन दिया है। परिजन का आरोप है कि महिला पूर्व में अन्य तीन व्यक्तियों को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उनसे शादी कर लाखों रुपये ऐंठ चुकी है और हमारे भाई लेखराज के साथ भी वहीं घटना घटित हुई है। बताया जा रहा है कि महिला द्वारा सरपंच पति लेखराज से भी लाखों रुपये की मांग की गई थी। महिला की डिमांड पूरी नहीं होने पर महिला द्वारा सबंधित थाने पर मुकदमा दर्ज करवा दिया। परिजन की मांग है कि इस लुटेरी दुल्हन का सच पुलिस प्रशासन सामने लाये और हमारे सरपंच पति लेखराज पर झूठा मुकदमा दर्ज करवाने वाली महिला के खिलाफ भी उचित कार्यवाही की जाए ताकि कोई और इस महिला के प्रेम जाल में न फंस सके। मामले ने पुलिस का कहना है कि जांच करने के लिए सम्बन्धित थाना पुलिस को बताया जा रहा है ।

भाजपा मंडल अध्यक्ष का जन्मदिवस मनाया

हमारा स्वराज | आंबेडकर नगर (महू)

भाजपा के मंडल अध्यक्ष महेश यादव का जन्मदिवस प्रसिद्ध बड़गोंदा बालाजी मंदिर प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड पाठ के साथ श्री हनुमान चालीसा एवं रामजी की स्तुति की गई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कविता पाटीदार, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक उषा ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मालवीय, भाजपा नेता कंचनसिंह चौहान,भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ रिता उपमन्यु, मांगीलाल चौधरी, मोहनसिंह रघुवंशी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चैनसिंह यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा, देपालपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष चंद्रजीत यादव, विधानसभा कार्यालय प्रभारी सुनील यादव सहित ग्रामीण अंचल के हजारों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

गवली पलासिया में सीसी रोड का भूमिपूजन

हमारा स्वराज | आंबेडकर नगर (महू)

गवली पलासिया में ग्रामीणजनों की कई वर्षों की मांग थी विष्णु भोले के घर से मंडलेश्वर रोड तक सीसी रोड का निर्माण किया जाए। इस मांग को ध्यान में रखते हुए सरपंच रवि पाटीदार ने राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार को अवगत कराया। मांग को देखते हुए सांसद ने तत्काल स्वीकृति प्रदान कर निर्माण की अनुमति प्रदान की। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सीसी रोड का भूमि पूजन राज्यसभा सांसद व प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाटीदार, सरपंच रवि पाटीदार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य कैलाश आर्य, मोहनसिंह रघुवंशी, समाजसेवी हीरालाल राधेश्याम, मांगीलाल भीमा, कन्हैयालाल, बद्रीलाल गामी, राधेश्याम रमेश्वर, सुनीता सुभाष, मदनलाल, विष्णु सर, संजय मुकाती, राजकुमार मुकाती, मनीष पाटीदार,राधेश्याम मुकाती, महेश वर्मा, गणेश कंप्यूटर, कैलाश पटेल पंच भगवान यादव, संजय भोले सचिव शरद कुमार अमोनिया आदि मौजूद रहे।

किसानों ने मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर चक्काजाम कर रहे कार्यकर्ताओं को भेजा जेल

हमारा स्वराज | धार

मध्य प्रदेश में किसानों की मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्काजाम करने का प्रयास किया। ग्राम धुलेट में दोपहर लगभग 2 बजे भाकियू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष राकेश सोलंकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए राजमार्ग पर पहुंचे।

किसान नेताओं का कहना था कि उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। प्रशासन की ओर से सरदारपुर एसडीओपी और तहसीलदार मुकेश बामनिया ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। स्थिति को देखते हुए पहले से ही मौके पर तैनात पुलिस बल ने कार्रवाई करते हुए भाकियू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष समेत लगभग 10 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। सभी को पहले राजगढ़ थाने ले जाया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई से राजमार्ग पर यातायात सुचारू रहा और किसी प्रकार का व्यवधान नहीं हुआ।

चार थानों का बल रहा मौजूद

भारतीय किसान यूनियन के प्रदर्शन की खबर लगते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। राजगढ़, सरदारपुर, अमझेरा व राजोद का बड़ी संख्या में पुलिस बल ग्राम धुलेट में तैनात रहा। जैसे ही किसान यूनियन के कार्यकर्ता राजमार्ग जाम करने पहुंचे वैसे ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान एसडीएम आशा परमार, राजगढ़ टीआई दीपक सिंह, अमझेरा टीआई रविन्द्र बारिया, राजोद टीआई हिरू सिंह रावत, दसई चौकी प्रभारी ओम प्रकाश बड़ोनिया, केशवी चौकी प्रभारी रमेश डामोर सहित अन्य मौजूद रहें।

इन्हें किया गिरफ्तार

पुलिस ने राजमार्ग जाम करने वाले भारतीय किसान यूनियन के कार्यकारी जिलाध्यक्ष राकेश पिता शंकरलाल सोलंकी, राजेश पिता चंपालाल, जगदीश पिता मांगीलाल, भरत पिता शंकरलाल, रवि पिता रणछोड़, रमेश पिता जामसिंह, मोहब्बत पिता भाव सिंह, फूलसिंह पिता मोहब्बतसिंह, प्यारसिंग पिता मोहब्बतसिंह और जसवंत पिता नरसिह को गिरफ्तार किया है। सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार ने कहा कि इनके द्वारा पूर्व में एसडीएम से चक्काजाम करने की अनुमति मांगी थी। एसडीएम द्वारा चक्काजाम ना करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने को कहा था क्योंकि राजमार्ग पर कई बीमार व अन्य राहगीर गुजरते है। इसके बाद भी इनके द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर राहगीरों को परेशान किया गया। जिस पर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

लोगों की भ्रांतियों को दूर कर रहे है मास्टर ट्रेनर्स

यूका कचरे के निष्पादन के संबंध में कर रहे जनसंवाद

हमारा स्वराज | धार

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के लिए की जाने वाली कार्यवाहियों पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्सों की टीमों द्वारा पीथमपुर की विभिन्न औद्योगिक ईकाइयों में पहुंचकर लोगों से जनसंवाद किया जा रहा है।

पीथमपुर नगर पालिका के सीएमओ निशिकांत शुक्ला ने बताया कि टीमों द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों में यूका कचरे के संबंध में उत्पन्न हो रही विभिन्न भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। प्रशिक्षित टीमों द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों द्वारा पूछे जा रहे विभिन्न प्रश्नों का उत्तर सरलतापूर्वक देकर उन्हें समझाया भी जा रहा है। साथ ही ईकाइयों के एचआर, कर्मचारियों और मजदूरों से अपील भी की जा रही है कि वह भी अन्य लोगों को यूका कचरे के निष्पादन के बारे में सही जानकारियां उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर द्वारा यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के लिए गठित टीमों में कंपनियों के एचआर, जिला अधिकारी, प्रोफेसर और पटवारी शामिल है। गठित टीमों द्वारा अब तक महिंद्रा मोटर्स, आयशर मोटर्स, प्रतिभा सिन्थेटिक्स, ईफ्का, एसआरएफ औद्योगिक इकाइयां तथा बुधवार को मोयरा स्टील, एंड्राफब, शक्ति पंप, मायेलान और फ्लेक्सिटफ औद्योगिक ईकाइयों में जनसंवाद करने पहुंची। इसी प्रकार उक्त दलों द्वारा आज दिनांक 16.01.2025 को नगर पालिका परिषद् पीथमपुर में परिषद् की बैठक के तत्काल बाद परिषद् हॉल में नगर पालिका पीथमपुर के सी.एम.ओ श्री निशिकान्तु शुक्ला, श्री जयेश प्रतापसिंह, तहसीलदार, एवं गठित दल के द्वारा नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगणो को युनियन कार्बाइड भोपाल के कचरे को पीथमपुर में निष्पादन के संबंध में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाकर, मास्टर ट्रेनर्स द्वारा समस्त परिषद् सदस्यों की भ्रांतियों को दूर किया गया ।

इस संबंध में जनसंवाद से संबंधित पॅम्पलेट अखबारों में रखकर आमजन को वितरण किया गया एवं स्कूल एवं कॉलेजों में भी उक्त पॅम्पलेट का वितरण कराया गया ।

बच्चों को करवाई जंगल की सैर वन्य प्राणियों की दी जानकारी

हमारा स्वराज | धार

शासन द्वारा चलाए जा रहे हैं अनुभूति परीक्षण केंद्रों में बच्चों को जंगल की जानकारी दी जा रही है» वनमंडल धार में वन परिक्षेत्र के अंतर्गत मप्र ईको पर्यटन विकास बोर्ड व मध्यप्रदेश वन विभाग ने सह प्रायोजक मप्र राज्य लघु वनोपज व्यापार एवं विकास सहकारी संघ मर्यादित और मप्र कैम्पा के संयुक्त तत्वाधान में अनुभूतिः प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। मास्टर ट्रेनर के साथ शासकीय भी इसमें भाग ले रहे है। वन परिक्षेत्र के लगभग 5 से 10 किमी की परिधि में आने वाले शासकीय विद्यालयों के लगभग 126 विद्यार्थियों के दल को वनभ्रमण करवा कर प्रकृति की अनुभूति करवाई जा रही है। मैं वन्य प्राणी का जंगल के प्रति लगाव वह जंगल का मानव के प्रति लगाओ आदि की जानकारी बच्चों को दी जा रही है वहीं बच्चों को कार्यक्रम में आने को प्रकार की जानकारी के साथ अन्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है जिससे बच्चे जंगल वह अवन्य प्राणी के बारे में कुछ सीख सके। वनमंडलाधिकारी धार अशोक कुमार सोलंकी के निर्देश कार्यक्रम का संचालन ह्यो रहा है जिसमें एसडीओ धनसिंह मेडा एवं एसके रणछोरे रेंजर धार कमलेश प्रसाद मिश्रा द्वारा किया गया। जिसमें वन कमलेश मिश्रा व वनपरिक्षेत्र धार के समस्त स्टॉफ की सक्रिय भागीदारी रही।

स्वदेशी मेले में धार-इंदौर के कलाकारों ने दी देश-धर्म प्रेम आधारित प्रस्तुतियां

पंच परिवर्तन के विचार स्वर्णिम भारत निर्माण का है आधार : सोमानी

हमारा स्वराज | धार

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पंच परिवर्तन के विचारों को लेकर स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। एक समय में हमारा देश सोने की चिड़िया था। यहां का ज्ञान, कला, कौशल पूरे विश्व के लिए अध्ययन का माध्यम था। स्वर्णिम भारत निर्माण के लिए वर्तमान में पंच परिवर्तन के विचारों का अनुसरण अति आवश्यक है। यह देश की एकता, अखंडता का आधार है। यह बात भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने बुधवार को स्वदेशी मेले में बतौर अतिथि संबोधित करते हुए कही। इस दौरान अतिथि एसडीएम रोशनी पाटीदार, सीएसपी रवीन्द्र वास्कल, तहसीलदार दिनेश उईके भी मौजूद थे। अन्य अतिथियों ने मेले के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी के प्रति प्रेम और उसका उपयोग उपभोग करना भी एक प्रकार की देश भक्ति ही है। सस्ती विदेशी वस्तुओं की अपेक्षा स्वदेश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग हमें नियमित रूप से करना चाहिए।

जिले को गौरवान्वित वाले शख्सियतों का सम्मान : स्वदेशी मेले में बुधवार को पहुंचे अतिथिद्वय का स्वागत, सत्कार मेला संयोजक मिलन पाल, दीपक बिड़कर, ममता जोशी, कालीचरण सोनवानिया, ने किया गया। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा मां वाग्देवी की मूर्ति की पूजा-आरती की गई। इधर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला में समाज और जिले को गौरवान्वित करने वाली शख्सियतों का सम्मान किया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिथिद्वयों की मौजूदगी एवं मप्र मेला समिति के प्रमुख रमणवीरसिंह अरोरा की मौजूदगी में आईएएस संस्कृति सोमानी एवं आईपीएस सुश्री जैन को मिली उपलब्धि पर उनके परिजन मनोज सोमानी एवं दीपक जैन का सम्मान सत्कार भी किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोग जुट रहे है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, मेले में उमडी भीड

सांस्कृतिक कार्यक्रम में इंदौर और धार के कलाकारों ने समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी। दर्शकों की पसंद पर धार्मिक गीत 'ये जो केसरी लाल' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त ममता डामोर, वंशिका जोशी, सुश्री यादव, कनक फडनीस, कशिश राठौर, आराध्या शर्मा, अनवि, पद्मना फडनीस, सुप्रिया सहित अन्य कलाकारों ने रामायण के प्रसंग का नृत्य गीत के माध्यम से प्रदर्शन किया। जिले की लोक परंपराओं को भी गीतों के माध्यम से दर्शाया गया। भगवान श्रीकृष्ण सहित अन्य देवों के प्रसंग पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत की गईं। आकर्षक मंच और रंग-बिरंगी रोशनियों के बीच पीछे बने स्क्रीन पर गीत के बोल का साथ देते हुए प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण, केसरिया ध्वज, तिरंगा ध्वज दर्शाए जा रहे थे, जो माहौल को अद्भुत बना रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पहली मर्तबा धार में आयोजित किए गए स्वदेशी मेले को बेहतर प्रतिसाद मिला है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मेले को एक उद्देश्य प्रदान किया है। इसमें आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से शहर के लोग धर्म, देश एवं लोक कला से रूबरू होकर जुड़े है। मेले में स्वदेशी घरेलू उत्पाद सहित व्यंजनों एवं अन्य प्रकार के स्टॉल का लोगों ने बीते 6 दिनों में भरपूर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में समाजसेवी संजीव अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा, विशाल निगम, आरआई दिनेश व्यास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

अक्षर पटेल हो सकते हैं देहली केपिटल के कप्तान

एजेंसी | नई दिल्ली

आईपीएल 2025 का सीजन 21 मार्च से शुरू होगा। इससे पहले इस सीजन के लिए नवंबर में मेगा ऑक्शन आयोजित हुआ था, जहां कई खिलाड़ियों को खरीदा गया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने भी केएल राहुल को खऱीदा था। राहुल को टीम ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। राहुल इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स में थे और टीम के कप्तान भी थे। लेकिन दिल्ली में कप्तानी मिलना मुश्किल हा है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली की कप्तानी अक्षर पटेल को मिल सकती है अक्षर टीम के साथ काफी वक्त से हैं और कई बार ऑलराउंडर की भूमिका निभा चुके हैं। वहीं दिल्ली अक्षर को आईपीएल 2025 के लिए 16.50 करोड़ रुपये सैलरी के रूप में देगी। अक्षर टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी भी हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ के केएल राहुल को खरीदा था। वहीं लखनऊ ने दिल्ली के ऋषभ पंत को खरीदा। ऋषभ भी दिल्ली के कप्तान थे। अक्षर आईपीएल में अभी तक कुल 150 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस दौरान 1653 रन बनाए हैं। अक्षर ने बॉलिंग में भी कमाल दिखाया है, उन्होंने इस दौरान 123 विकेट अपने नाम किए हैं। फिलहाल, बता दें कि, अक्षर ने पिछले आईपीएल सीजन के 14 मैचों में 11 विकेट लिए थे।

कुलदीप ने शुरू की गेंदबाजी की प्रैक्टिस

कुलदीप यादव ने टीम इंडिया में वापसी की शुरुआत कर दी है। जर्मनी में ग्रोइन इंजरी के बाद उनकी सर्जरी हुई थी और अब वो कमबैक की रहा पर हैं। कुलदीप ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी में गेंदबाजी का अभ्यास शुरू कर दिय है हालांकि, ये अब तक साफ नहीं हो पाया है कि वो कबतक वापसी करेंगे। बीसीसीआई ने भी कुलदीप की फिटनेस को लेकर अब तक तस्वीर साफ नहीं की है। कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ 22 जनवरी से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना नहीं गया है। इस टी20 सीरीज के बाद भारत को फ़रवरी के पहले हफ्ते में इंग्लैंड से 3 वनडे खेलने हैं और कुलदीप की नजर इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने पर होगी। हालांकि, अभी ये साफ है कि वो 100 फीसदी फिट नहीं है। बता दें कि, कुलदीप यादव पिछले साल अक्टूबर से ही मैदान से दूर हैं। वो न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट ीरीज में भी नहीं खेले थे और चोट के कारण बीजीटी में भी नहीं खेल पाए थे। वहीं अब पता चला है कि कुलदीप यादव पूरी ताकते से गेंदबाजी कर रहे हैं। लेकिन उनकी भागीदारी पर फैसला एनसीए को मेडिकल टीम के पास है, जो ये तय करेगी कि वह मैच के लिए फिट हैं या नहीं।

कोच गंभीर और कप्तान रोहित के विवाद के बाद टीम इंडिया पर उठते सवाल

नरेन्द्र जोशी।

भारतीय क्रिकेट टीम की आस्ट्रेलिया में करारी हार के बाद कोच गौतम गंभीर, कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की फ्लाप बल्लेबाजी पर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। कोच गौतम गंभीर लगातार फ्लाप हो रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम, जो दुनिया की सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय टीमों में से एक है, हमेशा अपने लाखों क्रिकेट प्रेमियों का समर्थन प्राप्त करती है। ये क्रिकेट प्रेमी भारतीय टीम से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी जानने के लिए उत्सुक रहते भारतीय टीम ने हमेशा एकजुट होकर क्रिकेट खेला है, लेकिन कुछ खास मौके ऐसे आए हैं जब टीम के भीतर मतभेदो की खबरें सामने आईं। इन विवादों का मुख्य कारण आमतौर पर कप्तान और कोच के बीच असहमतियां रही हैं।

साल 2024 के जून के अंत में भारतीय क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ़्रीका को हराकर टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीता था. इसके बाद भारत में क्रिकेट प्रेमियों के बीच उसका ख़ुमार कई हफ़्तों तक बना रहा। लेकिन उसी साल अगस्त में श्रीलंका के ख़िलाफ़ वनडे सिरीज़ में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जो 1997 के बाद वहां उसकी पहली ऐसी हार थी। फिर नवंबर में भारतीय टीम न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ अपने घर में टेस्ट सिरीज़ 0-3 से हार गई. भारत पहली बार अपने घर में तीन टेस्ट मैचों की सिरीज़ में क्लीन स्वीप हुआ। इसके बाद हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई बॉर्डर-गावसकर ट्रॉफी में भारत पांच टेस्ट मैचों की सिरीज़ 1-3 से हार गया, जो पिछले दस सालों में पहली बार हुआ। केट के सभी फ़ॉर्मेट में लगातार इन हारों के कारण भारतीय बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए गए हैं और साथ ही भारतीय क्रिकेट प्रेमियों का दिल भी टूटा है

ऑस्ट्रेलिया दौरा हमेशा से ही विवादों से भरा रहा है, लेकिन इस बार मैदान के बाहर के विवादों की भी उतनी ही चर्चा हुई। वाल उठने लगे हैं कि भारतीय बल्लेबाज़ी विकेट पर ठहर क्यों नहीं रही? क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और जसप्रीत बुमराह के अलावा भारतीय गेंदबाज़ों में वो निरंतर पैनापन क्यों नहीं दिख रहा? इसके साथ ही भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी का सक्सेशन प्लान भी चर्चा में है, यानी अगला कप्तान कौन होगा? जुलाई में भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का कार्यभार संभालने वाले गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 हारने के बाद टीम इंडिया के अंदर विवाद की कई खबरें सामने आईं. कहा जा रहा था कि टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के बीच विवाद चल रहा है. बात यहां तक आ गई थी कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम की कप्तानी करेंगे या नहीं. अब इस मामले में सफाई आई है. बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने तीनों के बीच विवाद की खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है. राजीव शुक्ला ने साफ किया कि ये बातें महज अफवाह हैं और टीम के अंदर सब छ ठीक है।

भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। हां पूरे सीरीज के दौरान रोहित शर्मा केवल 31 रन बना पाए थे. जिस वजह से उन्हें सिडनी में पांचवें और अंतिम टेस्ट में खुद को बाहर रखना पड़ा था. रोहित के खराब प्रदर्शन के बीच ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही थीं कि गंभीर और उनके बीच मतभेद है. हालांकि, विराट कोहली सहित टीम के अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को लेकर भी मतभेद की अटकलें लगाई जा रही हैं.शुक्ला ने हार के बाद, टीम की आलोचना पर सवालों के जवाब में कहा, 'यह पूरी तरह से गलत बयान है. चयन समिति के अध्यक्ष (अजीत अगरकर) और कोच के बीच कोई मतभेद नहीं है, कप्तान और कोच के बीच कोई मतभेद नहीं है. यह सब बकवास है, जो मीडिया के एक वर्ग में फैलाया जा रहा है.' व्यापक रूप से अटकलें लगाई जा रही हैं कि गंभीर ने वरिष्ठ खिलाड़ियों को या तो अच्छा प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने का अल्टीमेटम दिया था. शुक्ला ने कहा, 'यह भी गलत है कि रोहित ने कप्तानी पर जोर दिया है. वह कप्तान है. फॉर्म में होना या न होना खेल का अभिन्न हिस्सा है. जब उन्होंने (रोहित) देखा कि वह फॉर्म में नहीं है, तो उन्होंने खुद को पांचवें टेस्ट से बाहर कर लिया। शुक्ला ने विवाद की खबरों को 'पूरी तरह गलत' बताते हुए कहा कि रोहित शर्मा, गौतम गंभीर और अजीत अगरकर के बीच कोई मतभेद नहीं है. उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि खेल में फॉर्म से बाहर होना स्वाभाविक है. उन्होंने कहा, "कोच, चयनकर्ता और कप्तान के बीच कोई विवाद नहीं है.

पूर्व चयनकर्ता ने कहा- गंभीर में चैपल की झलक

एक पूर्व चयनकर्ता ने गौतम गंभीर की तुलना टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रैग चैल से की है. पूर्व चयनकर्ता ने बताया, 'या तो आप रवि शास्त्री की तरह मीडिया के अनुकूल रहें और खिलाड़ियों को अल्फा मेल' की छवि देने वाले बयान देते रहिए या राहुल द्रविड़, गैरी कर्स्टन और जॉन राइट की तरह चुपचाप रहे और अपना काम करके खिलाड़ियों को लाइमलाइट में रहने दीजिए. भारत में चैपल का तरीका नहीं चलेगा'. बता दें कि चैपल 2005 से 2007 तक टीम इंडिया के कोच थे. तब उनका अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय खिलाडियों से विवाद चर्चा में रहा था।

व्यापार

1200 करोड़ है सैफ अली खान की नेटवर्थ

एजेंसी | नई दिल्ली

सैफ अली खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में शुमार हैं जिन्होंने सफलता का स्वाद चखा है। गुरुवार को सैफ अली खान उस समय चर्चा में आ गए हैं जब उनके घर पर धारदार हथियार से उनपर हमला किया गया। मुंबई के लीलावती अस्पताल में सैफ अली खान का इलाज किया जा रहा है।

सैफ अली खान वैसे तो फिल्म इंडस्ट्री में कई वर्षों से एक्टिव हैं मगर बीते कुछ सालों में उन्होंने अलग ही ख्याति पाई है। इस दौरान सैफ अली खान ने अपार संपत्ति भी हासिल की है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट की मानें तो सैफ अली खान की कुल संपत्ति 150 मिलियन डॉलर यानी 1200 करोड़ रुपये से अधिक है। सैफ अली खान बॉलीवुड के सबसे अमीर सितारों में से एक है। शाहरुख खान, जूही चावला, ऋतिक रोशन, सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार और विवेक ओबेरॉय जैसे चुनिंदा सितारे हैं जिनके पास सैफ से अधिक संपत्ति है। सैफ की संपत्ति का मुकुट रत्न शानदार पटौदी पैलेस है, जो हरियाणा में उनका घर है और उनके घर की पैतृक सीट है। पटौदी पैलेस की अनुमानित कीमत 800 करोड़ रुपये है और यह भारत के सबसे महंगे निजी आवासों में से एक है। पटौदी पैलेस 10 एकड़ में फैला हुआ है। हालांकि कई लोग मानते हैं कि सैफ के पास पीढ़ियों से धन था क्योंकि आखिरकार वो पटौदी के नवाब हैं, पूर्व मंसूर अली खान और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे है। मगर ऐसा नहीं है क्योंकि अभिनेता को अपनी विरासत का कुछ हिस्सा वापस अर्जित करना पड़ा। मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में सैफ ने कहा, 'लोगों की एक निश्चित धारणा होती है। यहां तक कि पटौदी महल के मामले में भी, जब मेरे पिता की मृत्यु हुई, तो इसे नीमराणा होटल्स को किराए पर दे दिया गया। अमन नाथ और फ्रांसिस वाक्ज़ियार्ग होटल चलाते थे। फ्रांसिस का निधन हो गया। उन्होंने कहा था कि अगर मुझे महल वापस चाहिए तो मैं उन्हें बता सकता हूं। मैंने कहाः 'मुझे यह वापस चाहिए।' उन्होंने एक कॉन्फ्रेंस की और कहा, 'ठीक है, हमें बहुत सारा पैसा देना होगा!' जिसके बाद मैंने पैसे कमाए।'

सैफ पर हुआ हमला

बता दें कि सैफ अली खान पर गुरुवार तड़के उनके बांद्रा स्थित घर पर चाकू से हमला हुआ है। ये हमला एक अज्ञात व्यक्ति ने किया है। घटना गुरुवार को करीब 2.30 बजे की है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मुंबई पुलिस के एक सूत्र के हवाले से बताया, "जब अभिनेता ने हस्तक्षेप करने और उस व्यक्ति को शांत करने की कोशिश की, तो उसने सैफ अली खान पर हमला कर दिया और उन्हें घायल कर दिया। सैफ को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी दो सर्जरी हुईं।

रिलायंस को 18,540 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने आज (16 जनवरी) वित्त वर्ष 2024-25 के तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इसमें कंपनी को 18,540 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 7.38% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की इसी तिमाही में कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 17,265 करोड़ रुपए रहा था।

वहीं, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 2.44 लाख करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 2.28 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर इसमें 7% की बढ़ोतरी हुई है। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। ग्रुप की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 26% बढ़कर 6,861 करोड़ रुपए रहा। वहीं रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 19% बढ़कर 38,750 करोड़ रुपए रहा।

EBITDA यानी अर्निंग बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन EBITDA किसी कंपनी की वह टोटल कमाई होती है, जिसमें ब्याज चुकाना, टैक्स देना, एसेट या मशीनों की वैल्यू में गिरावट को कंपनसेट करना और पुराने लोन या कर्ज चुकाने में खर्च होने वाली लागत शामिल नहीं होती है। EBITDA किसी कंपनी या फर्म के ऑपरेशन या उसके संचालन की स्थिति बताता है। इसका उपयोग आमतौर पर कंपनियां अपने बिजनेस को इवैल्यूएट करने के लिए करती हैं। इसे कैलकुलेट करने में लागत या खर्चे को शामिल नहीं किया जाता है।

हिंडनबर्ग के 'बंद होने' की घोषणा के बाद

अडानी समूह के शेयरों में 9% तक उछाल

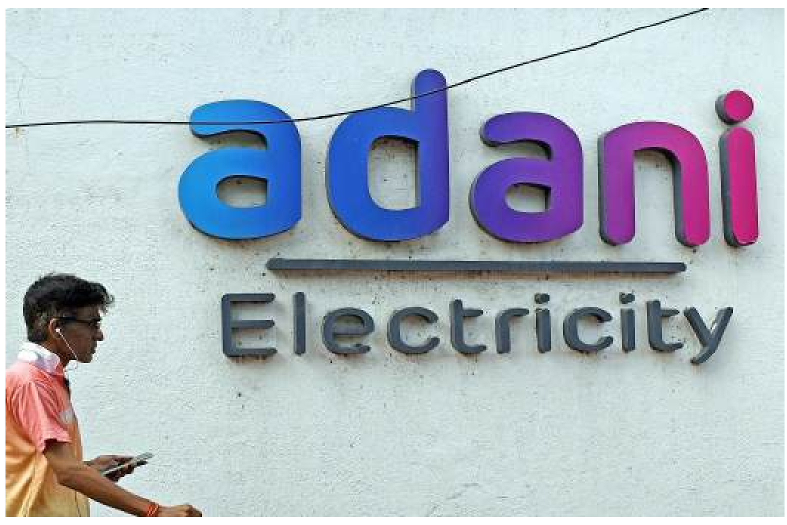

एजेंसी | नई दिल्ली

अडानी समूह के शेयरों में गुरुवार को उछाल देखने को मिल रहा है। शेयर बाजार में कंपनी के शेयर नौ फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान पर कारोबार कर रहे है। अडानी समूह के खिलाफ रिपोर्ट को पेश करने के बाद चर्चा में आए हिंडनबर्ग फर्म के बंद किए जाने के ऐलान के बाद अडानी समूह के शेयर तेजी से बढ़ने लगे है।

अडानी समूह के खिलाफ रिपोर्ट के लिए बदनाम शॉर्ट-सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने कंपनी बंद करने की घोषणा की है। शेयर बाजारों में अडानी पावर के शेयर की कीमत में 9.2 प्रतिशत (599.9 रुपये प्रति शेयर) की बढ़ोतरी हुई, अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर की कीमत में 8.8 प्रतिशत (1,126.8 रुपये प्रति शेयर) की बढ़ोतरी हुई, अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत में 7.7 प्रतिशत (2,569.85 रुपये प्रति शेयर) की बढ़ोतरी हुई, अडानी टोटल गैस के शेयर की कीमत में 7.1 प्रतिशत (708.45 रुपये प्रति शेयर), अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर की कीमत में 6.6 प्रतिशत (832 रुपये प्रति शेयर) और अडानी पोर्ट्स के शेयर की कीमत में 5.4 प्रतिशत (1,190 रुपये) की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, अंबुजा सीमेंट्स के शेयर की कीमत 4.5 प्रतिशत (542.9 रुपये प्रति शेयर), एसीसी के शेयर की कीमत 4.1 प्रतिशत (2,054 रुपये प्रति शेयर) और एनडीटीवी के शेयर की कीमत 7 प्रतिशत बढ़कर 157.9 रुपये प्रति शेयर हो गई। तुलनात्मक रूप से, बीएसई सेंसेक्स में आज बढ़त देखी गई, जो सुबह 9:45 बजे 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। 'एक्स' पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, हिंडनबर्ग रिसर्च के संस्थापक नैट एंडरसन ने कहा हिंडनबर्ग रिसर्च भंग करने का निर्णय लिया है। एंडरसन ने एक्स पर साझा किए गए एक ब्लॉग पोस्ट में घोषणा की, 'योजना यह थी कि हम जिन विचारों पर काम कर रहे थे, पाइपलाइन पूरी होने के बाद बंद कर दिया जाएगा।

जिपं सदस्य और उनके पति पर जानलेवा हमला, गोलियां चलीं

हमारा स्वराज | शिवपुरी

जिले के पिछोर अनुविभाग के बामौरकला थाना क्षेत्र में बुधवार की रात एक सनसनीखेज घटना घटी, जिसमें जिला पंचायत सदस्य संध्या लोधी और उनके पति सियाराम लोधी को जानलेवा हमले का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, उनकी कार पर गोलियां चलाई गईं और लाठियों से हमला किया गया। यह घटना रात 11 बजे पिपरा गांव के पास हुई।

जिला पंचायत सदस्य संध्या लोधी ने बताया कि हमलावरों ने योजनाबद्ध तरीके से उनकी गाड़ी को निशाना बनाया। उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए भागकर किसी तरह खुद को सुरक्षित किया। इस हमले में बैजनाथ नाम का एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे गोली लगी है। जिला पंचायत वार्ड 17 से सदस्य संध्या लोधी के पति सियाराम लोधी ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ स्कॉर्पियो में सवार होकर पिपरा गांव में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे। उनके पीछे समर्थकों की एक अन्य गाड़ी भी थी, जिसमें राज कुमार लोधी, बैजनाथ, और गोलू शिव रजक सवार थे। समारोह के बाद रात 11 बजे सभी गांव के लिए रवाना हुए। रास्ते में पुरानी रंजिश के चलते सौरभ ठाकुर, बंटी ठाकुर, अरविंद ठाकुर और कुछ अज्ञात लोगों ने उनकी गाड़ियों को रोका। हमलावरों ने न केवल लाठियों से हमला किया, बल्कि गोलियां भी चलाई। गोलीबारी से दोनों गाड़ियों में छेद हो गए। इस दौरान सियाराम लोधी और उनकी पत्नी किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन उनके साथियों को बुरी तरह पीटा गया।

विरोध प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई

इस हमले के बाद गुरुवार सुबह से ही बामौरकला थाना के सामने धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

स्थिति तनावपूर्ण, न्याय की मांग जारी

घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। जिला पंचायत सदस्य ने इसे राजनैतिक और व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम बताया है। वहीं, घायल बैजनाथ को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस पर लोगों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

आनंद उत्सव के तहत नपा ने कराई रस्साकसी प्रतियोगिता

हमारा स्वराज | अशोकनगर

नगर पालिका द्वारा आनंद उत्सव अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज संजय स्टेडियम में स्टॉफ के द्वारा रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुरुष वर्ग ओर महिला वर्ग में अलग अलग राउंड कराए गए। जिसमें महिला वर्ग में लक्ष्मीबाई की टीम विजेता रही। वहीं पुरुष वर्ग में राजस्व शाखा की टीम ने क्लीन स्वीप करते हुए विजय हासिल की इस संपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन सेवा निवृत क्रीड़ा अधिकारी प्रहलाद पटवा के द्वारा कराया गया। जिसमें सीएमओ विनोद उन्नीतांन आर आई राजेश बालू उपयंत्री आयुष वर्मा, शिवकुमार रघुवंशी सहित नपा का संपूर्ण स्टॉफ मौजूद रहा।

फिर बदला मौसम, स्कूलों में दो दिनों की छुट्टी

गुना। शहर का मौसम अचानक बदल गया है। इसके बाद शिक्षा विभाग ने स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। हालांकि आदेश देरी से जारी हुआ, इसलिए तीन की बजाए छात्र-छात्राओं को दो ही दिन की राहत मिली है। जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गुना जिले में मौसम की प्रतिकूला (शीत लहर एवं घना कोहरा आदि) के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए जिले मे संचालित समस्त शासकीय/ अशासकीय सीबीएसई/आईसीएसई एवं शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नर्सरी, केजी से 8वीं तक की कक्षाओं का विद्यार्थियों के लिए 18 जनवरी 2025 तक अवकाश घोषित करने संबंधी आदेश जारी किए हैं। परीक्षाएं निर्धारित समय सारणी अनुसार यथावत संचालित रहेगी। इस दौरान शहर में सर्दी का असर बढ़ गया है और दिनभर कोहरा छाया रहा।

वारदात की नियत से घुसे तीन बदमाश, एक को रंगे हाथ पकड़ा

हमारा स्वराज | गुना

म्याना थाना क्षेत्र के दुनाई गांव में लोगों ने रंगे हाथों एक चोर को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया है। हालांकि चोर के दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए।

दुनाई में बदमाश को पकड़ने का वाकया बेहद दिलचस्प है। दरअसल बीती रात लगभग 12 बजे तीन बदमाश गांव में घुस गए और यहां लगे एक टॉवर से केबल काटने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान घर के अंदर पबजी गेम खेल रहे युवाओं को बदमाशों की आहट मिली और उन्होंने तत्काल ग्रामीणों को सतर्क कर दिया। लोगों ने सामूहिक प्रयास करते हुए गांव में घुसे एक बदमाश को घेर लिया, जबकि दो अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। जिस बदमाश को पकड़ा गया है उसने हेलमेट लगा रखा था और एक बाईक लेकर भी पहुंचा था। इतना ही नहीं बदमाश ने सर्दी से बचने का भी पूरा इंतजाम करते हुए स्वेटर, जैकेट सहित तमाम संसाधन पहन रखे थे। उसे हाव-भाव और तौर-तरीके को देखकर लोग कहते नजर आए कि इस भीषण सर्दी में घर से बाहर निकला नहीं

जाता है और बदमाश चोरी करने के लिए पूरे गांव का भ्रमण कर रहे हैं। बाद में पकड़े गए बदमाश को म्याना पुलिस के हवाले कर दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि सर्दी के मौसम की वजह से हर साल इसी सीजन में चोर सक्रिय हो जाते हैं। क्योंकि आवाजाही कम रहती है। लेकिन मजे की बात यह रही कि देर रात तक गांव के युवा मोबाइल में व्यस्त थे, जिन्होंने बदमाशों को ट्रैक कर लिया और लोगों की सामूहिक मशक्कत के बाद इनमें से एक चोर पकड़ा भी गया है। ग्रामीणों ने घटना सामने आने के बाद पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सम्मेलन में 113 जोड़ों का हुआ विवाह

बेटियों से लिया वचन, पति और ससुरालियों को दी चेतावनी

हमारा स्वराज | सारंगपुर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत गरीब, जरूरतमंद और बेसहारा परिवारों की बेटियों के लिए शासन द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन कपिलेश्वर मंदिर परिसर मे गुरुवार को किया गया।

सम्मेलन मे इस बार मुस्लिम जोडे की संख्या हिन्दू जोडो से अधिक रही। आयोजन मे 47 वर वधुओ को हिन्दू वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सुनील शास्त्री ने परिणय सूत्र मे बान्धा गया वही मौलवी द्वारा सामुहिक रूप से 66 जोडो का निकाह कराया गया। बता दे कि कौशल विकास और रोजगार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल के निर्देश पर सारंगपुर के प्रसिद्ध कपिलेश्वर महादेव मंदिर परिसर मे यह आयोजन गुरुवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने नवविवाहिताओ को आर्शीवाद देते हुए कहा कि शासन द्वारा समाज के हर जरूरतमंद परिवारों को सहयोग दिया जा रहा है। मप्र मे बेटियो की हर तकलीफो को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समझा है और वे इसका हर संभव प्रयास कर रहे है उन्होंने कहा कि शासन द्वारा समय समय पर विवाह सम्मेलन आयोजित किए जाते है इसका लाभ हर जरूरतमंदों को लेना चाहिए। आज के समय मे शादी या निकाह करना बहुत ही मुश्किल हो चुका है बेहद खर्चों के कारण गरीब परिवार के माता पिता कर्ज मे डूब जाते है बाजार मे उन्हे ज्यादा ब्याज पर पैसा उठाना पडता है जो वे चुका नही पाते है। ऐसे मे शासन अब उनकी इस तकलीफ को दूर करने का बीड़ा उठा चुकी है। इस मौके पर मंत्री टेटवाल ने कहा कि प्रदेश की सरकार बच्चा होने पर 16 हजार रुपए खाते मे डालेगी तथा बच्ची होने पर लाडली लक्ष्मी योजना मे 1 लाख 20 हजार रुपए खाते मे डालेगी। उन्होंने कहा कि गत वर्ष पिछले 11 मार्च को भी मुख्यमंत्री विवाह योजना का सम्मेलन हुआ था जिसमे 45 जोडो का विवाह कराया था। इस मौके पर नपाध्यक्ष पंकज पालीवाल, जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर, नीलेश वर्मा, तहसीलदार आकाश शर्मा सहित पार्षद गण मौजूद थे। इस मौके पर जनपद पंचायत के सीईओ प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह योजना के लिए वर की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और वधू की न्यूनतम आयु 18 वर्ष रखी थी जिसे प्रत्येक वर वधु द्वारा प्रमाणपत्र लेकर तस्दीक किया गया साथ ही, समग्र ई-केवाईसी और वधू के बैंक खाते की डीबीटी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी की गई जिससे वधुओं के खातो मे राशि ट्रान्सफर की गई।

मंत्री टेटवाल ने बेटियों से वचन लिया

इस मौके पर मंत्री गौतम टेटवाल ने विवाह और निकाह के बंधन मे बन्धने वाली बेटियो से वचन लेते हुए कहा कि कभी भी अपने मा बाप को मत भूलना भाई बहन को मत भूलना क्योंकि उन्होंने तुम्हे बहुत नाजो से पाला, पढाया है और अब शादी करने मे भी पीछे नही हटे है। इसके लिए उन्होंने कर्ज लेने से भी परहेज नही किया है ऐसे मे अगर बेटिया अपने मा बाप को भूलती है तो उस माता पिता को केसा लगता होगा। इसलिए शादी के बाद अपने मा बाप को उन्हे उनके हाल पर नही छोडे। इस दौरान मंत्री टेटवाल ने कहा कि जन्म से लेकर शादी ब्याह तक का खर्च प्रदेश की भाजपा सरकार उठा रही है तो मे इस मौके पर सभी उपस्थित लोगो से विशेष कर मुस्लिम समुदाय से वचन लेना चाहता हू कि अगले चुनाव मे कमल खिलना चाहिए।

55 लाख 37 हजार की राशि डाली गई

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत गरीब, जरुरतमंद और बेसहारा परिवारों की बेटियों के लिए शासन द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन के इस मौके पर राज्यमंत्री टेटवाल ने शासन के मद से दहेज के रूप मे सभी वधूओ के खाते मे 49-49 हजार रुपए डाले। जिसमे कुल 113 वधुओ को 55 लाख 37 हजार की राशि डाली गई।

पति और सास को भी दी चेतावनी

विवाह सम्मेलन मे मंच से ही राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने नव वधुओं के पति, सास व ससुराल परिवार को चेतावनी देते हुए कहा कि मेने आज 113 कन्याओ का कन्यादान किया है और अब इनके अच्छे बुरे का भी मे ध्यान रखुगा उन्होंने चेतावनी भरे शब्दो मे कहा कि नव वधुओ के पति व सास इस बात का ध्यान रखे कि अगर इन बेटियों को तकलीफ दी और अगर इसकी शिकायते आई तो हम आपको छोडेगे नहीं।

फिर लामबंद हुए मध्यप्रदेश के कर्मचारी, आंदोलन की चेतावनी

गुना। मध्यप्रदेश के अधिकारी-कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को सरकार से मनवाने के लिए एक बार फिर लामबंद हो गए हैं। गुरुवार को गुना में मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले 47 यूनियनों ने 51 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। अधिकारी-कर्मचारियों ने अपनी मांगों से प्रदेश सरकार को अवगत करा दिया है। साथ ही आरोप लगाया है कि मध्यप्रदेश सरकार संगठनों से बातचीत नहीं कर रही है, इसलिए नाराजगी बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों द्वारा क्रमबद्ध तरीके से 4 चरणों का आंदोलन किया जाएगा। जिसके तहत पहले दौर में ज्ञापन दिया गया है।

कुएं के पानी को लेकर विवाद, 3 महिलाओं से मारपीट

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के खैजरा गांव में कुएं से पानी लेने के विवाद में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में तीन महिलाओं सहित चार लोग घायल हुए हैं। एक महिला को गंभीर हालत में ग्वालियर रैफर कर दिया गया है। जानकारी सामने आई है कि खैजरा निवासी मुन्नीबाई, सोना, सीमा, सचिन के साथ उनके ही परिवार के हरिचरण और सुरेश ने लाठी और बांस के डंडे से बुरी तरह मारपीट की। पीडितों के मुताबिक उन्होंने आरोपियों को निजी कुएं से किराए पर पानी बेचने के लिए मना किया था। जिसके बाद दोनों आरोपी आक्रोशित हो गए और गाली-गलौच करने लगे। 60 वर्षीय बुजुर्ग मुन्नीबाई ने आरोपियों को समझाइश दी कि उन्होंने सबसे पहले सचिन कुशवाह के साथ मारपीट कर दी। बाद में बीच-बचाव के दौरान आरोपियों ने मुन्नीबाई, सोना और सीमा को भी बांस के डंडों से पीटा। चारों घायलों को सबसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोना की हालत नाजुक होने के चलते उसे ग्वालियर रैफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में कुएं के आधिपत्य को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

स्वामी वन टू वन मीडिया एंड कम्युनिकेशन के लिए मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, सांवेर रोड, जिला-इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 219, स्कीम नंबर-134, सेक्टर-बी, स्टार चौराहा के पास, जिला इंदौर (म.प्र.) 452010 से प्रकाशित। संपादक- मृदुल जैन*। आरएनआई नं. MPHIN/2016/66794, मो. 83570-89000, Email-hamara.swaraj@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार।